■ मार्गशीर्ष कृष्णा - 30 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 137 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 12-12-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 आज जम्मू-कश्मीर विकास के एक 'नये युग' में प्रवेश कर चुका है : राजनाथ सिंह

अनुच्छेद 370 निरस्त करने के फैसले को उच्चतम न्यायालय ने बरकरार रखा

शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को 30 सितंबर 2024 तक जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। उच्चतम न्यायालय ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म कर इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित करने के केंद्र सरकार के अगस्त 2019 के फैसले को सोमवार को बरकरार रखने का फैसला सुनाया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पीठ ने अपने सर्वसम्मत फैसले कहा कि अनुच्छेद 370 विशेष परिस्थितियों के लिए एक अस्थायी प्रावधान था और राष्ट्रपति द्वारा इसे मान्यता दी गयी थी।

शीर्ष अदालत ने अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने के कार्यवाही को संविधान और प्रक्रियाओं के अनुसार इसको सही ठहराते हुए चुनाव आयोग को 30 सितंबर 2024 तक जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया। संविधान पीठ ने केंद्र को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के आश्वासन के अनुसार जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का भी निर्देश दिया। शीर्ष अदालत की ओर से इस प्रकरण में तीन फैसले सुनाए गए।

फैसला 'ऐतिहासिक': मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने संबंधी सरकार के फैसले को बरकरार रखने के उच्चतम न्यायालय के निर्णय को सोमवार को 'ऐतिहासिक करार दिया और कहा कि यह जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लिए आशा, प्रगति और एकता की शानदार घोषणा है।

मोहन यादव होंगे मध्यप्रदेश के नए मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/वार्ता। मध्यप्रदेश में आज डॉ मोहन यादव के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल का नेता निर्वाचित होने और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के त्यागपत्र के साथ ही राज्य में नई सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त हो गया। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने चौहान का त्यागपत्र स्वीकार करते हुए उन्हें नए मुख्यमंत्री की शपथ तक अपने पद पर कार्य करने के लिए कहा है।

प्रदेश भाजपा कार्यालय में शाम को नवनिर्वाचित 163 विधायकों की बैठक में डॉ यादव को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया। केंद्रीय संगठन की ओर से नियुक्त पार्टी के तीनों पर्यवेक्षकों हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, पार्टी ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष के लक्ष्मण और पार्टी सचिव सुश्री आशा लाकड़ा की उपस्थिति में डॉ यादव को भाजपा विधायक दल का नेता सर्वसम्मति से चुना गया। इस बैठक में निवर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, पूर्व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रहलाद पटेल और पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के साथ पार्टी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय भी उपस्थित थे।

चौहान ने नेता पद के लिए डॉ यादव के नाम का प्रस्ताव किया, जिसका समर्थन सभी नेताओं ने किया।

राजस्थान: भाजपा विधायक दल की बैठक आज होगी

जयपुर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक मंगलवार को होगी जिसमें आगामी मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला हो सकता है। पार्टी के विधायकों को कल होने वाली बैठक की जानकारी दी गयी है। विधायक किरोड़ी लाल मीणा, वासुदेव देवनानी तथा जोगेश्वर गर्ग सहित अनेक विधायक सोमवार को यहां पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में पहुंचे। गर्ग ने कहा कि पार्टी के पर्यवेक्षक कल आएंगे और विधायकों से संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि यह एक औपचारिक बैठक होगी जिसके बाद मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा की जाएगी। मीणा ने कहा कि पार्टी विधायकों को कल होने वाली विधायक दल की बैठक के बारे में सूचित कर दिया गया है।

रूस ने बैलेस्टिक मिसाइलों से यूक्रेन में कीव को निशाना बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। यूक्रेन की वायुसेना ने दावा किया कि सोमवार तड़के रूस ने कीव को निशाना बनाकर आठ बैलेस्टिक मिसाइलें दागीं जिन्हें उसने नाकाम कर दिया। अधिकारियों ने हालांकि कहा कि विफल किए गए हमले में भी एक व्यक्ति छर्रे लगने से घायल हो गया। यूक्रेन की राजधानी में तड़के चार बजे के बाद जोरदार विस्फोटों की आवाज सुनी गई जिसके बाद हवाई हमले के सायरन बजने लगे। यूक्रेन के गृह मामलों के मंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा कि पूर्वी कीव के दार्नित्स्की जिले में एक मिसाइल का मलबा गिरा जबकि राजधानी के अन्य इलाकों में धमाकों की वजह से एक मकान की खिड़कियां क्षतिग्रस्त हो गईं।

सूर्यास्त 12-12-2023 5:54 बजे	सूर्योदय 13-12-2023 6:32 बजे
BSE 69,928.53 (+102.93)	NSE 20,997.10 (+27.70)
सोना 6,565 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 79,730 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हटाओ 370

हट गई धारा की कारा,
घाटी को फिर आबाद करो।
निज राजनीति के चक्कर में,
ना कोई वाद-विवाद करो।
खुशहाली आए जीवन में,
सब मिलकर यह फरियाद करो।
अपने ओछे मनसूबों से,
मत सूबे को बर्बाद करो।

अब गुलाम कश्मीर को आजाद कराने की बारी : आलोक कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 हटाए जाने को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए आज कहा कि इस बारे में भ्रम का कुहासा साफ हो गया है और अब गुलाम कश्मीर को पाकिस्तान के पंजे से मुक्त कराना चाहिए।

विहिप के अंतर्राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने धारा 370 पर उच्चतम न्यायालय के निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि यह निर्णय अमर बलिदानी डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को एक कृतज्ञ राष्ट्र की श्रद्धांजलि जैसा है। आज के निर्णय से यह प्रमाणित होता है कि 1947 - 48 में महाराजा हरी सिंह द्वारा हस्ताक्षर किया गया विलय पत्र अंतिम और वैध था। जम्मू कश्मीर हमेशा से भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा।

विहिप के नेता ने कहा तब की सरकार ने अपनी कुछ राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के कारण अनुच्छेद 370 से जम्मू कश्मीर को एक विशेष दर्जा दिया हुआ था। भारत की संसद ने इस अनुच्छेद को हटा दिया था। किंतु फिर भी इस वाद के कारण कुछ कुहासा छाया हुआ था जो आज के निर्णय के बाद से साफ़ हो गया। हमें विश्वास है कि जम्मू कश्मीर में विकास की धारा इसी तेजी से बढ़ती रहेगी। आलोक कुमार ने कहा , अब जम्मू और कश्मीर में एक ही बड़ा काम बचा हुआ रह गया है। वह है, गुलाम कश्मीर की पाकिस्तान के पंजे से मुक्ति। हमें विश्वास है कि सशक्त भारत और संकल्पित सरकार पाक अधिकृत कश्मीर को भी जल्द मुक्त करा सकेगी।

सद्कुल में जन्म मिलना और जिनशासन की प्राप्ति होना, हमारा सौभाग्य है : मुनिश्री राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ एलएनपुरम श्रीरामपुरम में मुनिश्री राजपद्मसागरजी का 39वां जन्मोत्सव मनाया गया और मुमुक्षु विशाल कुमार भंसाली एवं सुमित कुमार की वर्षीदान यात्रा निकाली गई। जेपीपी श्रमणी भवन में मुनिश्री राजपद्मसागरजी एवं श्रमणपद्मसागरजी की निश्रा में जन्मोत्सव एवं दीक्षार्थी की अनुमोदनार्थे अनेक मानवसेवी कार्य किए गए। मुनिश्री राजपद्मसागरजी को उपस्थित जनों ने जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर पर मुनिश्री ने अपने प्रवचन के कहा कि जीवन में पांच ऐसी जो दुर्लभ चीज है, वह हमें मिली है। सबसे पहले सद्कुल में जन्म, सद्रव्य, सिद्धक्षेत्र, समाधि, चतुर्विध संघ। इन दुर्लभ चीजों का हमें मूल्य करना चाहिए। सद्कुल में जन्म मिलना बड़े ही पुण्य की निशानी है, अच्छे कुल में जन्म लेने से अच्छे संस्कार मिलते हैं और जीवन अच्छा बनता है।

मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी ने भी कहा कि गुणवानों के गुण गाने का परम सौभाग्य से अवसर प्राप्त होता है और गुणों की अनुमोदना करने का जो लाभ है वह अत्यंत ही महत्वपूर्ण लाभ होता है। संयम जीवन की अनुमोदना करना कोई दीक्षार्थी की अनुमोदना करना तो अपने मोहनिय कर्मों को बंधन को तोड़ता है। जन्मोत्सव व वर्षीदान यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। संचालन नरेंद्र आच्छा ने किया।

छत्तीसगढ़ के मनोनीत मुख्यमंत्री साय ने रायपुर में राम मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मनोनीत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को राजधानी रायपुर में राम मंदिर में दर्शन किया और राज्य के विकास और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रमुख आदिवासी चेहरा साय को रविवार को यहां नवनिर्वाचित 54 भाजपा विधायकों की बैठक के दौरान विधायक दल का नेता चुना गया।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने रविवार शाम को 59 वर्षीय साय को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया और भाजपा द्वारा औपचारिक रूप से दावा पेश करने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में उनकी नियुक्ति से संबंधित एक पत्र सौंपा। अधिकारियों ने बताया, ''साय ने सोमवार को वीआईपी रोड में भगवान श्री राम मंदिर का दौरा किया और प्रार्थना की।'' अधिकारियों ने बताया कि साय ने राज्य के सर्वांगीण विकास और लोगों की सुख-समृद्धि की कामना की। साय ने कहा, ''भगवान श्री राम का आशीर्वाद इसी तरह हम सब पर बना रहे। छत्तीसगढ़ के सभी वर्गों का समुचित विकास हो और छत्तीसगढ़ प्रदेश विकास के क्षेत्र में देश में महत्वपूर्ण स्थान स्थापित करें, यही भगवान से हमारी कामना है।'' अधिकारियों ने बताया कि नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह 13 दिसंबर को यहां साइंस कॉलेज मैदान में होने की संभावना है। राज्य में हाल में संपन्न विस चुनाव में 90 सीटों में से भाजपा ने 54 सीटें जीती हैं। 2018 में 68 सीटें जीतने वाली कांग्रेस इस बार 35 सीटों पर सिमट गई। राज्य में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एक सीट जीतने में कामयाब रही।

विष्णु देव साय 13 दिसंबर को लेंगे शपथ, प्रधानमंत्री मोदी रहेंगे मौजूद

रायपुर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ के नए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और मंत्रिमंडल के सदस्य बुधवार 13 दिसम्बर को शपथ लेंगे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में दोपहर दो बजे शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा, केन्द्रीय मंत्री डॉक्टर मनसुख मांडविया, छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नबीन सहित अनेक राज्यों के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। राज्य में भाजपा के प्रमुख आदिवासी चेहरे साय को रविवार को यहां नवनिर्वाचित 54 भाजपा विधायकों की बैठक के दौरान विधायक दल का नेता चुना गया। राज्य की कुल 90 विधानसभा सीट में से भाजपा ने 54 सीट जीती हैं। 2018 में 68 सीट जीतने वाली कांग्रेस इस बार 35 सीट पर सिमट गई है। राज्य में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एक सीट जीतने में कामयाब रही।

माहेश्वरी महिलाओं ने मूंगफली मेले में बांटी कपड़ों की थैलियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन की सदस्याओं ने प्लास्टिक मुक्त बेंगलूरु अभियान के तहत सोमवार को बसवनगुड़ी में लगे कडलेकाई परसे (मूंगफली मेले) में सदस्याओं द्वारा हाथ से सिली गई कपड़ों के थैलियों का वितरण किया गया। सदस्याओं ने विक्रेताओं व ग्राहकों के बीच थैलियों का वितरण किया तथा उन्हें प्लास्टिक मुक्त बेंगलूरु अभियान में सहयोग करने का आह्वान किया। सावित्री मालु, कान्ता काबरा, निर्मला काँकाणी, सुनीता लाहोटी, कल्पना बाहेती, पूजा मालानी प्लास्टिक बैग के बदले कपड़े की थैलियां वितरित की।

शरद पवार ने कहा, प्याज निर्यात पर रोक के फैसले को वापस ले सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार को केंद्र सरकार से प्याज निर्यात पर लगाई गई पाबंदी को तत्काल हटाने की मांग करते हुए कहा कि सरकार किसानों की कड़ी मेहनत को नजरअंदाज कर रही है।

सरकार ने हाल ही में प्याज के निर्यात पर अगले साल 31 मार्च तक के लिए रोक लगा दी है। सरकार ने यह कदम प्याज की घरेलू कीमतों को काबू में रखने और उपलब्धता बढ़ाने के मकसद से उठाया है। लेकिन प्याज उत्पादक किसान इस फैसले से खुश नहीं हैं और देश के कई हिस्सों में इसका विरोध कर रहे हैं। महाराष्ट्र के नासिक जिले में भी प्याज उत्पादक किसान इस फैसले को वापस लेने की मांग कर रहे हैं। पवार ने प्याज उत्पादन के लिए देशभर में अग्रणी नासिक जिले के चंदवाड गांव में किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों को एकजुट होकर अपनी मांग बुलंद करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''इस मामले में नासिक रास्ता दिखा सकता है।'' पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री पवार ने कहा कि प्याज की खेती करने वाले छोटे किसान हैं और अच्छी फसल के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री रहते समय उन्होंने कभी भी प्याज की कीमतों को नीचे लाने या उसके निर्यात पर रोक लगाने की कोशिश नहीं की थी।

प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध से किसानों को नुकसान नहीं हो, इसका रास्ता खोजेंगे : शिंदे

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को कहा कि प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध के कारण किसानों को नुकसान न हो, इसके लिए उनकी सरकार कोई रास्ता निकालेगी।

मुख्यमंत्री ने राज्य विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन से पहले नागपुर में विधान भवन परिसर स्थित अपने पार्टी कार्यालय का दौरा किया। केंद्र सरकार ने घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए 31 मार्च 2024 तक प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है।

इस मुद्दे पर शिंदे ने पत्रकारों से कहा कि राज्य सरकार हमेशा राज्य के किसानों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने प्याज के मुद्दे पर केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री पीयूष गोयल से टेलीफोन पर बातचीत की है। शिंदे ने कहा, 'हम कोई रास्ता निकालेंगे ताकि प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध के कारण किसानों और ग्राहकों को नुकसान न हो।'

केंद्र बचे प्याज की खरीद करने को तैयार : फडणवीस

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य विधान परिषद में सोमवार को कहा कि केंद्र उन किसानों से प्याज खरीदने को तैयार है जिनका प्याज बिका नहीं है या जिसकी बोली नहीं लग पायी। उन्होंने कहा कि प्याज के निर्यात पर लगी रोक से उत्पन्न स्थिति से निपटने के तरीके तलाशे जा रहे हैं। फडणवीस सदन में नेता प्रतिपक्ष अम्बादास दानवे के सवाल का जवाब दे रहे थे। दानवे ने जानना चाहा था कि प्याज के निर्यात पर लगी रोक से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार क्या कदम उठा रही है। फडणवीस का यह बयान शनिवार की रात राज्य के किसानों की समस्या को लेकर मुंबई में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं जन वितरण मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की पृष्ठभूमि में आया है।

शिवसेना (यूबीटी) सदस्य दानवे ने कहा, '' बेमौसमी बारिश से किसान बुरी तरह से प्रभावित हैं। केंद्र द्वारा प्याज के निर्यात पर रोक किसानों के हित में नहीं है जिसकी वजह से महाराष्ट्र में उन्हें प्रदर्शन करने पर मजबूर होना पड़ा है।'' उन्होंने सवाल किया कि क्या राज्य सरकार प्याज पर प्रतिबंध का मुद्दा केंद्र के समक्ष उठाएगी या प्याज उत्पादकों को हुए नुकसान को वहन करेगी।

फलस्तीनियों के साथ हो रहे घोर अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए : प्रियंका

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को लोगों का आह्वान किया कि वे फलस्तीनियों के ''नरसंहार'' को रोकने के लिए गाजा में युद्धविराम की मांग को लेकर चलाए गए वैश्विक अभियान में भाग लें। उन्होंने यह भी कहा कि फलस्तीनियों के साथ हो रहे ''घोर अन्याय'' के खिलाफ सभी को आवाज उठानी चाहिए।

फलस्तीनी कार्यकर्ताओं और कई संगठनों ने गाजा में तत्काल युद्धविराम की मांग को लेकर सोमवार को 'वैश्विक हड़ताल' का आह्वान किया है। प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पोस्ट किया, ''फलस्तीनी लोगों और उनके बच्चों के नरसंहार को रोकने के लिए गाजा में युद्धविराम की मांग को लेकर आज, 11 दिसंबर, 2023 को वैश्विक हड़ताल में भाग लें। हम सभी को उनके खिलाफ हो रहे घोर अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।'' खबरों के अनुसार, हमास के शासन वाले गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से कहा गया है कि इजराइली हमलों में मरने वालों की संख्या 16,200 से अधिक हो गई है और 42,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

भारी मन से अनुच्छेद 370 पर न्यायालय का फैसला स्वीकार करना होगा: आजाद

श्रीनगर/भाषा। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने सोमवार को संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय के फैसले को ''दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण'' बताया, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि ''भारी मन के साथ हमें इसे स्वीकार करना होगा''। आजाद ने शीर्ष अदालत के फैसले पर कहा कि जम्मू-कश्मीर में इस फैसले से कोई भी खुश नहीं होगा।

शीर्ष अदालत की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने तत्कालीन राज्य जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को सर्वसम्मति से बरकरार रखते हुए दशकों से जारी बहस को समाप्त कर दिया।

उच्चतम न्यायालय ने ''जल्द से जल्द'' जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के साथ-साथ अगले साल 30 सितंबर तक विधानसभा चुनाव कराने का भी निर्देश दिया।

आजाद ने यहां अपने आवास पर संवाददाताओं से कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन सभी को भारी मन से उच्चतम न्यायालय के फैसले को स्वीकार करना होगा। हमें इस फैसले की उम्मीद नहीं थी।''

दिल्ली में सरकारी विद्यालयों का बुनियादी ढांचा शीर्ष निजी संस्थानों से कमतर नहीं: केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यहां सिविल लाइंस इलाके में सोमवार को एक सरकारी स्कूल के सभागार का उद्घाटन किया और कहा कि सरकार संचालित विद्यालयों का बुनियादी ढांचा किसी भी शीर्ष निजी संस्थान से कमतर नहीं है।

केजरीवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को आजादी मिलने के 15-20 साल बाद तक कई प्रमुख लोगों ने सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई की, क्योंकि उस समय निजी स्कूल कुछ ही थे। उन्होंने दोहराया कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार का ध्यान शिक्षा पर केंद्रित है और दिल्ली में सरकारी विद्यालयों के बुनियादी ढांचे में पिछले आठ साल में काफी बदलाव आया है।

केजरीवाल ने कहा, ''सरकारी विद्यालयों का बुनियादी ढांचा शीर्ष निजी विद्यालयों से कम नहीं है। बच्चों में भी आत्मविश्वास बढ़ा है और यह देखा जा सकता है कि वे निजी विद्यालयों में पढ़ रहे अपने समकक्षों की तुलना में अधिक आत्मविश्वासी हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले सरकारी स्कूलों में पढ़ाई नहीं होने के कारण विद्यार्थियों के स्कूल छोड़ने की दर काफी अधिक थी, लेकिन इस समस्या को सुलझा लिया गया है। उन्होंने कहा, ''सरकारी स्कूलों में अब लगभग 18 लाख छात्र पढ़ रहे हैं।''

हरियाणा : सरपंच की गोली मारकर हत्या

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के सोनीपत जिले के एक गांव में सोमवार को अज्ञात लोगों ने सरपंच की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश जारी है। बड़ौदा थाना प्रभारी रमेश चंद्र ने बताया कि छिछड़ाना गांव के सरपंच राजेश उर्फ राजू को हमलावरों ने सोनीपत के गोहना इलाके में गोली मारी। राजू को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने राजेश पर कथित तौर पर उस वक्त हमला किया जब वह अपने खेत की ओर जा रहा था। उन्होंने बताया कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

आरबीआई ने ऋण माफी पर अनधिकृत अभियानों को लेकर किया आगाह

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जनता को प्रिंट मीडिया के साथ-साथ सोशल मीडिया मंच पर ऋण माफी की पेशकश से संबंधित भ्रामक विज्ञापनों को लेकर सोमवार को आगाह किया।

आरबीआई की ओर से जारी बयान के अनुसार, उसने ऋण माफी की पेशकश करके उधारकर्ताओं को लुभाने वाले कुछ भ्रामक विज्ञापनों पर गौर किया है। ये संस्थाएं प्रिंट मीडिया के साथ-साथ सोशल मीडिया मंच पर भी ऐसे कई अभियानों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही हैं। ऐसी संस्थाओं द्वारा बिना किसी अधिकार के ''ऋण माफी प्रमाणपत्र'' जारी करने के लिए सेवा/कानूनी शुल्क वसूलने की भी खबरें हैं। केंद्रीय बैंक ने कहा कि कुछ स्थानों पर कुछ लोगों द्वारा कर्ज माफी की पेशकश से संबंधित अभियान चलाए जा रहे हैं, जो अपने अधिकारों को लागू करने में बैंकों के प्रयासों को कमजोर करते हैं।

आरबीआई ने कहा, '' ऐसी संस्थाएं गलतबयानी कर रही हैं कि बैंकों सहित वित्त संस्थानों का बकाया चुकाने की जरूरत नहीं है। ऐसी गतिविधियां वित्त संस्थानों की स्थिरता और सबसे अधिक जमाकर्ताओं के हित को कमजोर करती हैं।'' आरबीआई ने आगाह किया कि ऐसी संस्थाओं के साथ जुड़ने से सीधे तौर पर वित्तीय नुकसान हो सकता है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि जनता को आगाह किया जाता है कि वे ऐसे झूठे व भ्रामक अभियानों का शिकार न बनें और ऐसी घटनाओं की शिकायत कानून प्रवर्तन एजेंसियों से करें।

एफबीआई के निदेशक ने दिल्ली में सीबीआई प्रमुख से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी जांच एजेंसी 'फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन' (एफबीआई) के निदेशक क्रिस्टोफर रे ने सोमवार को यहां केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद से मुलाकात की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

माना जा रहा है कि इस दौरान दोनों एजेंसियों के प्रमुखों ने वित्तीय क्षेत्र से जुड़े साइबर अपराध सहित विभिन्न क्षेत्रों में वृहद सहयोग को लेकर चर्चा की।

अधिकारियों ने बताया कि रे अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपराह्न दो बजकर करीब सात मिनट पर निर्धारित बैठक के लिए सीबीआई मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने कहा कि रे दो दिवसीय यात्रा पर रविवार शाम दिल्ली पहुंचे और उनका भारतीय कानून-व्यवस्था अवस्थापना से जुड़े शीर्ष अधिकारियों से भी मिलने का कार्यक्रम है। अधिकारियों ने बताया कि सूद और रे की मुलाकात के दौरान साइबर अपराध से जुड़ी सूचनाओं के आदान-प्रदान से संबंधित विभिन्न पहलुओं, मादक पदार्थ, लंबित न्यायिक अनुरोध और वांछित अपराधियों का प्रत्यर्पण चर्चा का एजेंडा हो सकता है।

यह उच्चस्तरीय यात्रा अमेरिकी धरती पर सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में कथित तौर पर भारत के शामिल होने के वाशिंगटन के आरोपों की पृष्ठभूमि में हो रही है। भारत ने आरोपों की जांच के लिए पहले ही जांच टीम गठित कर दी है।

दिल्ली आबकारी 'घोटाला' : अदालत ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 10 जनवरी तक बढ़ाई

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत सोमवार को 10 जनवरी, 2024 तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल ने मामले में अतिरिक्त दस्तावेज दाखिल करने की अनुमति मांगने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर एक आवेदन पर सिसोदिया और अन्य आरोपियों से जवाब भी मांगा। न्यायाधीश ने आरोपी व्यक्तियों को 10 जनवरी तक आवेदन पर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने ईडी को 10 जनवरी को अगली सुनवाई से पहले आरोपी व्यक्तियों को 540 पन्नों के अतिरिक्त दस्तावेजों की प्रति उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया। कार्यवाही के दौरान, अदालत ने मामले में दिन-प्रतिदिन की सुनवाई के अनुरोध वाले ईडी के एक आवेदन पर सुनवाई स्थगित कर दी।

पूर्ववर्ती सरकार ने 1.41 लाख करोड़ रुपये के तेल बाँड जारी किए थे, चुकाई गई ढाई गुना राशि : पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि कांग्रेस नीत पूर्ववर्ती सरकार के दौरान पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों पर काबू के लिए 1.41 लाख करोड़ रुपये के तेल बाँड जारी किए गए थे जिसके लिए मौजूदा सरकार ने 3.50 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि उस समय पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों पर काबू पाने के लिए ऐसा कदम उठाया गया जिसका भार अगली सरकार को उठाना पड़ा।

पुरी ने कहा कि वह स्थिति वैसी ही है, जैसे एक पीढ़ी ने ऋण लिया और उसका भुगतान उसकी अगली पीढ़ी को करना पड़ा। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी नीत सरकार ने अपने समय में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों पर काबू के लिए वैसे कदम नहीं उठाए। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों पर काबू के लिए केंद्रीय उत्पाद शुल्क में दो बार कटौती की जिससे सरकार को 2.2 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में वैट (मूल्य वर्धित कर) में कटौती की गई जिससे पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में कमी आई जबकि गैर-भाजपा शासित राज्यों में ग्राहकों को औसतन 12 रुपये प्रति लीटर अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।

पुरी ने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत कुल कनेकशन की संख्या बढ़कर 9.60 करोड़ हो गई वहीं देश में कुल एलपीजी (घरेलू रसोई गैस) कनेक्शन की संख्या बढ़कर 33 करोड़ हो गयी है जो 2014 में 14 करोड़ थी।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने केन्द्र को लिखा पत्र

अब 'मनरेगा' में मानव दिवस 150 हों

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुवर्णसौधा बेलगावी। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि राज्य में आए भीषण अकाल के चलते उन्होंने दो महीने पहले केंद्र सरकार को एक पत्र लिखा गया था, जिसमें महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के तहत सृजन की 100 मानव दिवस की वर्तमान सीमा को बढ़ाकर 150 करने की मांग की गई थी। उन्होंने सोमवार को बेलगावी सत्र की विधानसभा कार्यवाही में सूखे पर चर्चा के दौरान यह बात कही।

उन्होंने कहा कि राज्य के 236 तालुकों में से 223 तालुक सूखे से प्रभावित हैं। नरेगा योजना लोगों को बेरोजगार होने से बचाने में कारगर सिद्ध हुई है। रोजगार गारंटी अधिनियम सूखे की स्थिति में अतिरिक्त 50 मानव दिवस सृजन का प्रावधान करता है। इसके चलते मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार को पत्र लिखकर अतिरिक्त मानव दिवस सृजित करने का अनुरोध किया गया है।

राज्य सरकार सूखे से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सभी कलेक्टरों और तहसीलदारों के पास पहले से ही 800 से 900 करोड़ रुपए की धनराशि उपलब्ध है। इसका उपयोग पेयजल, चारा खरीदने सहित आवश्यक कार्यों के लिए किया जा सकता है। सरकार सूखे और उत्तरी कर्नाटक के विकास कार्यों पर चर्चा के लिए तैयार है। महादायी, कृष्णा अपर बैंक, तुंगभद्रा सिंचाई परियोजनाओं पर व्यापक जवाब दिया जाएगा। अगर विपक्षी दल इसके अलावा किसी अन्य मुद्दे पर चर्चा करना चाहते हैं तो उन्हें नियमानुसार स्पीकर को नोटिस देना होगा। सरकार इस पर भी चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि उन्हें सदन की कार्यवाही बाधित कर समय बर्बाद करना बंद करना चाहिए और चर्चा में हिस्सा लेना चाहिए।

सदन में पांच विधेयक हुए पेश

सुवर्णसौधा बेलगावी। यहां चल रही शीतकालीन विधानसभा की कार्यवाही में सोमवार को पांच विधेयक पेश किये गये। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने ग्रेटर बेंगलूरु निगम और कुछ अन्य कानून संशोधन विधेयक 2023, कानून संसदीय कार्य और विधान और पर्यटन मंत्री एचके पाटिल ने वकीलों के खिलाफ हिंसा विरोधी संशोधन विधेयक 2023 और कर्नाटक अनुसूचित जाति उपआवंटन और जनजाति उपआवंटन संशोधन विधेयक 2023, राजस्व मंत्री कृष्णबैरे गौड़ा ने श्री रेणुका यल्लम्मा निर्वाचन क्षेत्र पर्यटन विकास बोर्ड विधेयक 2023, शहरी विकास और शहरी नियोजन मंत्री सुरेश बी.एस. ने सदन में हम्पी विश्व धरोहर क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण संशोधन विधेयक, 2023 पेश किया। ये बिल सत्र में चर्चा के लिए आएंगे। वहीं, मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री सिद्दरामैया ने वर्ष 2023-24 के लिए अनुपूरक अनुमान-पहली किश्त मांग प्रस्ताव सदन में पेश किया।

अभिनेत्री डॉ. लीलावती के निधन पर विधानसभा ने शोक व्यक्त किया

सुवर्णसौधा बेलगावी। बेलगावी शीतकालीन सत्र की विधानसभा कार्यवाही में सोमवार को अनुभवी फिल्म अभिनेत्री डॉ. लीलावती के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए एक मिनट का मौन रखा गया, जिनका 8 दिसंबर को निधन हो गया था। अध्यक्ष यूटी खादर ने शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया, डॉ. लीलावती सभी प्रसिद्ध प्रमुख अभिनेताओं के साथ ब्लैक एंड व्हाइट युग से लेकर कलरफूल सिनेमा के दायरे तक विभिन्न और विविध भूमिकाओं में नायिका, सहायक अभिनेत्री के रूप में लोकप्रिय थीं। उन्होंने फिल्म 'कॉलेज हीरो' का निर्माण किया था और कन्नड़ फिल्म 'कांडा' की पटकथा लिखी थी। उन्होंने कहा कि डॉ. राजकुमार को फिल्मफेयर समेत कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था।

शोक प्रस्ताव के समर्थन में बोलते हुए कानून एवं संसदीय कार्य एवं पर्यटन मंत्री एचके पाटिल ने कहा, डॉ. लीलावती एक मंझी हुई दुर्लभ अभिनेत्री थीं। उन्होंने अपने पैसे से सार्वजनिक अस्पताल और पशु चिकित्सालय बनवाकर समाज सेवा की है। उनकी भूमिकाओं से सामाजिक परिवर्तन आया। उन्होंने कहा कि उनका निधन फिल्म प्रेमियों और सभी पशु प्रेमियों के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

विपक्ष के नेता आर.अशोक ने कहा कि डॉ. लीलावती ने कन्नड़, तेलुगू और तमिल भाषाओं में अभिनय कर अपनी परिपक्वता दिखाई है। समाज ने मुझे क्या दिया है? ऐसा सोचने वालों में से, वह एक दिग्गज व्यक्तित्व हैं जिन्होंने समाज में अपना योगदान दिया है। जब बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री थे, तो वह एक अस्पताल बनाने की अनुमति के लिए मेरे पास आए थे। डॉ. लीलावती ने सरकार से अपने खर्च से बने अस्पताल में उनकी प्रतिमा लगवाने का अनुरोध किया। जेडीएस नेता बालकृष्ण ने कहा कि डॉ. राजकुमार के साथ 42 फिल्मों में काम कर चुकीं डॉ. लीलावती शुरुआत में काफी कष्ट झेलने के बाद फिल्म इंडस्ट्री में आईं। बेटे विनोदकुमार के साथ उनका रिश्ता सभी के लिए प्रेरणा है। उनकी आत्मा को शाश्वत शांति मिले। उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने कहा कि डॉ. लीलावती जरूरतमंद लोगों की मसीहा थीं। करीब 32 साल से एक-दूसरे को निजी तौर पर जानते हैं। पिछले 20 दिन पहले वे मेरे घर आए और नवनिर्मित पशु अस्पताल के उद्घाटन के लिए मुझे आमंत्रित किया। उनके निमंत्रण पर, मैं गया और पशु अस्पताल का उद्घाटन किया, आवश्यक कर्मचारियों को नियुक्त किया और अस्पताल को काम करना शुरू कर दिया। उन्होंने समाज सेवा करके अपना हृदय समृद्ध किया है। दैवी गुण, शांति और प्रसन्नता, संतोष ने उनमें घर बना लिया था। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल के नेताओं के सुझाव के अनुरूप वे मुख्यमंत्री से चर्चा कर अस्पताल के पास डॉ. लीलावती की प्रतिमा बनवायेंगे।

पांच विधेयक हुए पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सुवर्णसौधा बेलगावी। सोमवार को विधानसभा की कार्यवाही में 5 महत्वपूर्ण विधेयकों को मंजूरी दी गई और पारित किया गया। कानून और संसदीय कार्य तथा पर्यटन मंत्री एच.के.पाटिल ने कर्नाटक वस्तु एवं सेवा कर दूसरा संशोधन विधेयक, 2023 केंद्रीय जीएसटी विचारार्थ सदन में प्रस्तुत किया। परिषद द्वारा सुझाए गए आधार पर एक संशोधन पेश किया गया था। उन्होंने कहा कि यह बिल कैसीनो और ऑनलाइन सट्टेबाजी को नियंत्रित करने में मददगार होगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडुराव की ओर से राजस्व मंत्री कृष्णाबायरे गौड़ा ने वर्ष 2023 में कर्नाटक मेडिकल पाठ्यक्रम पूरा करने वाले उम्मीदवारों के लिए अनिवार्य सेवा संशोधन विधेयक सदन में विचार-विमर्श के लिए प्रस्तुत किया। इससे पहले, राज्य में मेडिकल स्नातकों को एक वर्ष की ग्रामीण सेवा करनी होती थी। फिलहाल सरकार खाली पड़े डॉक्टरों की भर्ती प्राथमिकता के आधार पर कर रही है। इसके साथ ही मंत्री कृष्णाबायरे गौड़ा ने कहा कि चूंकि अधिक संख्या में मेडिकल छात्र स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे हैं, इसलिए अनिवार्य सेवा के बजाय, राज्य सरकार द्वारा निर्धारित होने पर सेवा करने का अवसर संशोधन अवसर में प्रदान किया गया है।

बाद में, कर्नाटक स्टाम्प संशोधन विधेयक, 2023 को विचार-विमर्श के लिए प्रस्तुत किया गया और 1994, 2000 और 2011 से राज्य में लगभग 54 विभिन्न दस्तावेजों पर लगाए गए स्टाम्प शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इन शुल्कों पर दरों को संशोधित करने के लिए विधेयक में एक संशोधन किया गया है। उन्होंने सदन से इसे मंजूरी देने को कहा। ग्रामीण विकास और पंचायत राज तथा सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री की ओर से मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कर्नाटक ग्राम स्वराज और पंचायत राज संशोधन विधेयक 2023 को चर्चा के लिए सदन में पेश किया।

हिंदू-मुसलमानों के बीच दुश्मनी पैदा करता है जमीर का बयान : आर अशोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने आपत्ति जताई कि मंत्री जमीर अहमद ने हिंदू और मुस्लिमों के बीच नफरत पैदा करने वाला बयान दिया है। सोमवार को बेलगावी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने कर्नाटक के स्पीकर पद को लेकर अपमानजनक टिप्पणी की है। स्पीकर ने संविधान के बारे में बताया कि संविधान क्या है? इसका सम्मान क्यों करें? हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई, चाहे वे किसी भी धर्म या जाति के हों, सभी सदस्यों को अपना आचरण अपनाने को कहा गया। स्पीकर की सीट जज की सीट होती है। उन्होंने इसका विश्लेषण सभी सदस्यों से उच्च पद के रूप में किया।

डॉ. अम्बेडकर के संविधान के तहत उस पद का विशेष सम्मान है। स्पीकर पद वह पद है। ऐसे में इस मंत्रिमंडल के सदस्य जमीर अहमद खान ने मुसलमानों की एक बैठक में कहा, 'कर्नाटक में कभी किसी ने मुसलमानों को वक्ता नहीं बनाया है। पहली बार हमने ऐसा किया। सभी बीजेपी नेताओं यानी हिंदुओं को उस पद पर बैठे वक्ता को सलाम करना चाहिए। हमने ऐसा पद दिया है।' उन्होंने टिप्पणी की कि मुसलमान सभी धर्मों में सबसे महान हैं। उन्हें सलाम कर बैठना चाहिए।

अशोक ने कहा कि जमीर अहमद ने हिंदू-मुसलमानों के बीच नफरत भड़काने वाला बयान दिया है। हमने सदन में विरोध किया। संविधान पढ़ाने वाले वक्ता की जुबानी, जमीर अहमद ने जो किया वो गलत नहीं था। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। सिद्दरामैया सरकार ने कहा है कि वह मुसलमानों को 10 हजार करोड़ रुपये देगी। आज विधेयकों को भी मंजूरी दे दी गई है। स्टांप ड्यूटी, चैरिटी कार्य पर भी अधिक टैक्स लगाया गया है। उन्होंने शिकायत की कि वे मौलवियों को 10 हजार करोड़ रुपये देने के लिए धन इकट्ठा करने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

अशोक ने वार करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार वोट के लिए मुसलमानों को लुभा रही है। जमीर अहमद का पागलपन भरा और विकृत बयान; यह संविधान के लिए काला धब्बा है। सरकार को उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करनी चाहिए थी। स्पीकर ने इस बात पर भी आपत्ति जताई कि उन्होंने पद का सम्मान नहीं किया। लोकतंत्र को कुचलने वाली और मुसलमानों को लुभाने वाली यह सरकार है। हम इसके खिलाफ लड़ रहे हैं।

जमीर अहमद की बातें अहंकारपूर्ण हैं : विजयेन्द्र

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने कहा कि जमीर अहमद के मामले में बीजेपी और जेडीएस मिलकर सत्याग्रह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई संविधान को बचाने के लिए है। ज़मीर अहमद की बातें अहंकारपूर्ण हैं। उन्हें अपने बयान का मतलब भी पता है। हम भी जानते हैं, उनके बयान के 24 घंटे के भीतर जमीर अहमद का इस्तीफा अपेक्षित था, पर वह नहीं हुआ। विधानसभा के अध्यक्ष ने भी कोई ठोस निर्णय नहीं लिया। विधायक बसवनगौड़ा यतनाल, अरागा ज्ञानेंद्र, अरविंद बेलाडा, डॉ. सीएन अश्वथ नारायण, सुरेश कुमार और विधायक वहां थे।

कांग्रेस सरकार के पतन की टिप्पणी पर सिद्दरामैया ने कहा

भाजपा और जद (एस) बिन पानी की मछली की तरह तड़प रहे हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कांग्रेस सरकार के पतन का आरोप लगाने वाले एक बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने कहा कि भाजपा और जद (एस) बिन पानी की मछली की तरह हांफ रहे हैं। सोमवार को बेलगावी में मीडिया से बात करते हुए सिद्दरामैया ने कहा कि दोनों विपक्षी दल भ्रम में काम कर रहे हैं। उनकी टिप्पणी पूर्व मुख्यमंत्री और जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी के सोमवार के एक बयान के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार मई 2024 के बाद गिर जाएगी। मंड्या जिले के बेलाथुर गांव में एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद कुमारस्वामी ने कहा था कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी।

सिद्दरामैया ने कहा, विपक्षी दल जो भी मुद्दे उठाएंगे, उन पर सरकार सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है और देरी करने या समय बर्बाद करने का कोई सवाल ही नहीं है। मैं लोगों की आवाज़ बनना जारी रखूंगा। ऐसा मत सोचो कि कोई काम हाथ में नहीं लिया, हमें छह महीने का समय दीजिए, यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं स्थानीय विधायकों के साथ खड़ा रहूं और काम कराऊं। सिद्दरामैया ने कहा, हमारे विधायकों पर नाराज न हों।

सुवर्णा सौधा से वीर सावरकर की तस्वीर हटाने की मंत्री प्रियांक खड़गे की बात पर पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फैसला विधानसभा अध्यक्ष लेंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सावरकर की तस्वीर हटाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

सिद्दरामैया ने कहा, आज तक सूखे पर चर्चा हुई। हम सत्र में जो पहले ही पेश किया जा चुका है उसका जवाब देंगे। बीजेपी नेताओं के बीच समन्वय की कमी और विधानसभा का समय बर्बाद होने पर टिप्पणी करते हुए सीएम ने कहा कि भगवा पार्टी के भीतर कभी कोई समन्वय नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, वे ऑपरेशन लोटस के माध्यम से सत्ता में आए। तब जनता ने उन्हें नकार दिया। उसके बाद कोई सुलह नहीं हो सकती।

डॉ. मंजूनाथ कनमाडी ने दपरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का पदभार संभाला

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। डॉ. मंजूनाथ कनमाडी ने सोमवार को दक्षिण पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का पदभार संभाला। मंजूनाथ भारतीय रेलवे यातायात सेवा 2013 बैच के अधिकारी हैं। वे कर्नाटक के बागलकोट जिले के जामखंडी के मूल निवासी हैं और मेडिकल डॉक्टर हैं। उन्होंने अनीश हेगड़े का स्थान लिया है, जो रेलवे बोर्ड में चले गए हैं और संयुक्त निदेशक (इन्फ्रास्ट्रक्चर)-1 के पद पर तैनात हुए हैं। सीपीआरओ/एसडब्ल्यूआर का पदभार संभालने से पहले मंजूनाथ कनमाडी दक्षिण पश्चिम रेलवे में उप मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक/यात्री सेवा के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने दक्षिण पश्चिम रेलवे में वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, मैसूरु और हुब्बल्ली मंडल, मंडल परिचालन प्रबंधक, हुब्बली मंडल आदि में विभिन्न पदों पर काम किया है।

बेलगावी में कर्नाटक कांग्रेस विधायक दल की बैठक कल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई ने राज्य विधायक दल की बैठक 13 दिसंबर को बुलाई है। कांग्रेस विधायक दल के सचिव ई. तुकाराम ने यहां जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया बैठक की अध्यक्षता करेंगे जिसका आयोजन बुधवार शाम को बेलगावी के शिवाजी नगर मैदान के नजदीक बेलागुंडी के शून्य फार्म रिट्रीट में किया गया है। उन्होंने बताया कि उप मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डी.के.शिवकुमार भी अन्य विधायकों के साथ बैठक में शामिल होंगे।

कर्नाटक भाजपा प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं पर बढ़ते हमलों पर जताई चिंता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने सोमवार को राज्य में कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं पर हमलों पर चिंता जताई और सरकार पर हमलों के पीछे तत्वों को प्रोत्साहित करने का आरोप लगाया। विजयेंद्र ने सोमवार को सोशल मीडिया पर कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ नेताओं के खिलाफ आवाज उठाने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर हमलों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है।

विजयेंद्र ने कहा, कलबुर्गी और बेलगावी की घटनाओं के बाद, हमारे भाजपा नेता गोकुल कृष्णन पर गुंडों द्वारा हमला चिंताजनक है। उन्होंने कहा, ऐसा कहा जाता है कि हमले के पीछे का कारण गोकुल कृष्णन द्वारा शिवमोग्गा जिले के भद्रावती शहर में हो रही अवैध गतिविधियों पर सवाल उठाने का साहस करना है।

कांग्रेस सरकार जानबूझकर भाजपा कार्यकर्ताओं को निशाना बना रही है और उन पर हमला करने वालों को प्रोत्साहित कर रही है। 'मैं आपसे भद्रावती मामले पर गंभीरता से विचार करने और हमारी पार्टी के नेता की रक्षा करने का आग्रह करता हूं। मैं दोषियों को गिरफ्तार करने और कानूनी कार्रवाई शुरू करने की भी मांग करता हूं।'

कांग्रेस विधायक बी.के. संगमेश्वर से पूछताछ करने पर एक भाजपा कार्यकर्ता पर छह लोगों के एक गिरोह द्वारा हमला किए जाने की घटना। सोमवार को फेसबुक पर शिवमोग्गा जिले के भद्रावती से संगमेश्वर की सूचना दी गई। भाजपा कार्यकर्ता गोकुल कृष्णन के माथे और कान पर गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें शिवमोग्गा के मेगन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गिरोह ने उस पर तब हमला किया, जब वह रविवार रात भद्रावती शहर में कंचन होटल से डिनर पार्सल लाने गया था।

सोमवार को गोकुल कृष्णन ने कहा कि स्थानीय कांग्रेस विधायक संगमेश्वर से पूछताछ की पृष्ठभूमि में उन पर हमला किया गया। पीड़ित ने कांग्रेस विधायक से भद्रावती शहर में अवैध गतिविधियों और एमपीएमएल फैक्ट्री को फिर से शुरू करने के उनके वादे के बारे में सवाल किया था। पोस्ट के बाद, शनिवार को पीड़ित की कार को निशाना बनाया गया और क्षतिग्रस्त कर दिया गया।

बाघ को पकड़ने के लिए कर्नाटक जिले में ऑपरेशन शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मैसूरु जिले में अधिकारियों ने सोमवार को एक बाघ को पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया। बाघ को हाल ही में चिक्ककन्या, डोड्डाकन्या, बयाताहल्ली और सिंधुवल्ली गांवों के आसपास कई बार देखा गया, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई। वन विभाग ने एक विशेष टीम का गठन किया है और रणनीतिक स्थानों पर कैमरे लगाए हैं।

अधिकारियों ने ग्रामीणों से अगले निर्देश तक बाहर न निकलने और ऑपरेशन में सहयोग करने को कहा है। 24 नवंबर को, हेडियाला वन रेंज में बल्लुरुहुंडी के पास बाघ ने 55 वर्षीय रत्नम्मा को मार डाला था। लेकिन इस बाघ को पकड़ लिया गया और मैसूर शहर के श्री चामराजेंद्र जूलॉजिकल गार्डन में स्थानांतरित कर दिया गया।

बाघ को पकड़ने के लिए, अधिकारियों ने ड्रोन, ट्रैप कैमरों के साथ-साथ तीन पालतू हाथियों का इस्तेमाल किया था और 200 से अधिक कर्मियों को तैनात किया।

महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने के बाद बिजली के खंभे से बांधा गया, सात गिरफ्तार

बेलगावी/दक्षिण भारत। जिले के एक गांव में एक महिला के साथ कथित तौर पर मारपीट किए जाने और उसे निर्वस्त्र कर घुमाने के बाद बिजली के खंभे से बांधने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना महिला के पुत्र के एक लड़की के साथ भाग जाने के बाद हुई। पुलिस ने बताया कि लड़की की सगाई किसी और से होने वाली थी। लड़की की हरकत के बारे में पता चलने पर उसके परिवार वालों ने न्यू वंटामुरी गांव स्थित लड़के के घर पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया।

पुलिस ने बताया वे (लड़की के परिजन) उसकी (लड़के की) मां को घसीट कर ले गए, उसे निर्वस्त्र कर घुमाया और बिजली के खंभे से बांध दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला को मुक्त कराया। घटना के संबंध में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है और मामले की जांच की जा रही है। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं।

बेलगावी के पुलिस आयुक्त सिद्धरामप्पा ने कहा कि 24 वर्षीय अशोक और 18 वर्षीय प्रियंका, दोनों एक ही समुदाय और एक ही गांव के हैं और एक-दूसरे से प्यार करते थे।

मई 2024 के बाद गिर जाएगी कर्नाटक कांग्रेस सरकार : कुमारस्वामी

मंड्या/दक्षिण भारत। पूर्व मुख्यमंत्री और जद (एस) के प्रदेश अध्यक्ष एच.डी. कुमारस्वामी ने सोमवार को कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार मई 2024 के बाद गिर जाएगी। मंड्या जिले के बेलाथुर गांव में एक धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद कुमारस्वामी ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं करेगी। उन्होंने कहा, 'मैं लोगों की आवाज़ बनना जारी रखूंगा। ऐसा मत सोचो कि कोई काम हाथ में नहीं लिया, हमें छह महीने का समय दीजिए, यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं स्थानीय विधायक के साथ खड़ा रहूं और काम कराऊं हमारे विधायक पर क्रोधित न हों।'

कुमारस्वामी ने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के कारण विकास कार्य ठप हो गया है। उन्होंने कहा, ''मैं प्रदर्शन की पूरी जिम्मेदारी लूंगा।'' के.आर.पेट निर्वाचन क्षेत्र से जद(एस) विधायक एच.टी. मंजू के अध्यक्ष ने कहा कि कुमारस्वामी के मुख्यमंत्री बनने पर ही क्षेत्र में प्रगति हो सकती है। कुमारस्वामी लगातार कांग्रेस सरकार के गिरने को लेकर बयान देते रहे हैं। उन्होंने यहां तक कहा था कि एक मंत्री ने उनसे बात की है और कर्नाटक में भी महाराष्ट्र जैसा विकास होने का संकेत दिया है।

भाजपा विधायक दल की बैठक आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक मंगलवार को होगी जिसमें आगामी मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला हो सकता है। पार्टी के विधायकों को कल होने वाली बैठक की जानकारी दी गयी है। विधायक किरोड़ी लाल मीणा, वासुदेव देवनानी तथा जोगेश्वर गर्ग सहित अनेक विधायक सोमवार को यहां पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में पहुंचे। गर्ग ने कहा कि पार्टी के पर्यवेक्षक कल आएंगे और विधायकों से संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि यह एक औपचारिक बैठक होगी जिसके बाद मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा की जाएगी। मीणा ने कहा कि पार्टी विधायकों को कल होने वाली विधायक दल की बैठक के बारे में सूचित कर दिया गया है। अनेक विधायकों के पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से उनके आवास पर मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर मीणा ने कहा कि चुनाव परिणाम आने के बाद 17 विधायकों ने उनसे भी मुलाकात की है, लेकिन इस तरह की गतिविधियां गुटबाजी नहीं हैं।

राज्य में 200 में से 199 सीट के लिए हुए चुनाव के परिणाम तीन दिसंबर को घोषित किए गए। भाजपा को 115 सीट पर जीत के साथ बहुमत मिला है। उल्लेखनीय है कि राजे को मुख्यमंत्री पद के संभावित दावेदारों में शामिल माना जा रहा है। पार्टी के कई विधायकों ने पिछले हफ्ते सोमवार और मंगलवार को राजे से मुलाकात की थी। बाद में राजे दिल्ली गईं और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। रविवार को यहां कुछ विधायकों ने फिर उनसे मुलाकात की।

विभिन्न क्षेत्रों की प्राथमिकताएं तय कर विकसित भारत के लिए अभी से हो कार्य शुरु : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने समावेशी विकास, अंतिम छोर तक विकास की पहुंच, बुनियादी ढांचे को मजबूत करते हुए निवेश प्रोत्साहन और कौशल विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण में युवा शक्ति की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने बल देते हुए कहा है कि आने वाले समय में भारत की वैश्विक भूमिका के लिए विभिन्न क्षेत्रों की प्राथमिकताएं तय कर उन पर अभी से कार्य प्रारंभ किया जाना चाहिए।

मिश्र ने सोमवार को राजभवन में विकसित भारत 2047 में सहभागिता की समूह चर्चा और वॉयस ऑफ यूथ कार्यशाला में संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, शिक्षाविदों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों का आह्वान किया कि 'विकसित भारत2047' के लिए शिक्षा के साथ साथ विभिन्न अन्य क्षेत्रों में आठ से नौ प्रतिशत तक की विकास दर से देश को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को उच्च शिक्षा क्षेत्र को सुदृढ़ करते हुए सशक्त और संपन्न भारत के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग ही देश के विकास के रथ के असली सारथी होते हैं। उन्हें विकसित भारत की सोच से अधिकाधिक जोड़ा जाए। उन्होंने विश्वविद्यालयों में ऐसे पाठ्यक्रम निर्मित करने की आवश्यकता जताई जिससे युवाओं को कौशल संपन्न करने के साथ ही उनकी भविष्य की दृष्टि को विकसित किया जा सके। उन्होंने कहा कि हमे हमारे यहां ऐसी शिक्षा प्रणाली विकसित करनी चाहिए जिससे दूसरे देशों के विद्यार्थी भी भारत आकर पढ़ने के लिए प्रेरित हों।

मिश्र ने आजादी के सौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 2047 तक शिक्षा व्यवस्था का पुनर्निर्माण करने, विदेश के अधिक से अधिक युवाओं को भारतीय विश्वविद्यालयों में पढ़ने आने के लिए प्रेरित करने और उच्च शिक्षा में शोध और अनुसंधान की मौलिक दृष्टि के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने अमेरिका, यूके, जापान, जर्मनी, सिंगापुर, साउथ कोरिया आदि देशों की शिक्षा प्रणालियों का अध्ययन कर 2047 में विकसित भारत में युवाओं की प्रत्यक्ष भूमिका सुनिश्चित करने के लिए भी सभी स्तरों पर कार्य करने का भी आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2027 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसकी पूर्ति में शिक्षा क्षेत्र की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने देश में बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के साथ हर घर में स्वच्छ जल, बिजली की प्रभावी आपूर्ति सुनिश्चित करने और सभी को आवास और मूलभूत सुविधाएं प्रभावी रूप में उपलब्ध कराने के लिए भी कार्य करने पर जोर दिया।

इससे पहले राजभवन में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, शिक्षाविदों और युवाओं की समूह चर्चा में सशक्त और सक्षम भारतीय, संपन्न और टिकाऊ अर्थव्यवस्था, नवाचार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सुशासन और सुरक्षा तथा विश्व में भारत की स्थिति विषयों पर महती विमर्श हुआ।

राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार ने विकसित भारत के प्रमुख उद्देश्य बताते हुए इससे जुड़े अनछुए पहलुओं पर विचार करते हुए कार्य करने की दृष्टि प्रदान की। राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्द राम जायसवाल ने समूह चर्चा में संयोजक की भूमिका निभाते हुए आरम्भ में विकसित भारत-2047 के लिए नीति आयोग द्वारा निर्धारित प्राथमिकताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों का यह मानना है कि विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 15 प्रतिशत से अधिक का योगदान आने वाले समय में भारत देगा।

उन्होंने उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में भारत के योगदान के साथ विश्वविद्यालयों के जरिए युवाओं की भूमिका के बारे में महती बिन्दु रखे। समूह चर्चा में राज्यपाल सलाहकार बोर्ड के ए के गहलोत, राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा, वर्धमान खुला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो के सी सोडानी, बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के कुलपति प्रो. रमेश चंद्रा, मणिपाल विश्वविद्यालय के प्रेजिडेंट जी. के. प्रभु, इंडियन क्राफ्ट इंस्टीट्यूट की श्रीमती तूलिका गुप्ता सहित 60 से अधिक प्रतिभागियों ने विकसित भारत की प्राथमिकता क्षेत्रों पर अपने विचार रखे।

इन सभी ने गांव और शहर का भेद मिटाते हुए शिक्षा की सब तक सुगम पहुंच, अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुरूप युवा शक्ति को सक्षम करने, भविष्यवादी और समावेशी दृष्टिकोण के अनुरूप कार्य करने में सभी की समान भूमिका पर व्यावहारिक कार्य करने के सुझाव दिए।

कांग्रेस विधायक रामकेश मीणा ने भाजपा से किरोड़ी मीणा को मुख्यमंत्री बनाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मुख्यमंत्री के चयन पर संशय बने रहने के बीच कांग्रेस विधायक और राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ के अध्यक्ष रामकेश मीणा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आलाकमान को पत्र लिखकर राज्य में आदिवासी नेता किरोड़ी लाल मीणा को राज्य का मुख्यमंत्री नियुक्त करने का आग्रह किया है। किरोड़ी लाल मीणा सवाई माधोपुर से भाजपा के विधायक हैं। रामकेश मीणा ने कहा कि आदिवासी मीणा सेवा संघ के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा को पत्र लिखा है।

गंगापुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक रामकेश मीणा ने कहा, 'मैंने नरेन्द्र मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा को पत्र लिखकर समुदाय की भावनाओं से अवगत कराया है कि किरोड़ी मीणा को मुख्यमंत्री का पद मिलना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'किरोड़ी मीणा ने बहुत संघर्ष किया है और कई आंदोलनों का नेतृत्व किया है।'

पिछले रविवार को घोषित हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों में भाजपा की जीत हुई थी। उसे 199 में से 115 सीटें हासिल हुई हैं, लेकिन पार्टी अब तक मुख्यमंत्री को लेकर फैसला नहीं कर पाई है। पार्टी ने भाजपा विधायक दल की बैठक के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित तीन पर्यवेक्षकों को नियुक्त किया है। विधायक दल की बैठक की तारीख की घोषणा अभी होना बाकी है। राज्य की 200 में से 199 सीटों पर 25 नवंबर को चुनाव हुए थे।

सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर जिले के श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र में रविवार रात को एक ट्रक और पिकअप की भिड़ंत में चार लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस अधिकारी अशोक बिश्नोई ने बताया कि जयपुर बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सतलेरा और बीग्गा गांव के पास एक ट्रक और पिकअप में आमने-सामने की भिड़ंत में पिकअप में सवार रामचंद्र (40), भंवर पुरोहित (60), रमेश माली (35) और हरिराम (32) की मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया।

उन्होंने बताया कि पिकअप में सवार तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि एक व्यक्ति की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस अधिकारी ने बताया सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद चारों के शव परिजनों को सौंप दिये गये। उन्होंने बताया कि पिकअप सवार सभी लोग हलवाई का काम करते थे। इस संबंध में ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज करके पुलिस घटना की जांच कर रही है।

करणपुर विधानसभा सीट पर चुनाव के लिए नामांकन आज से

जयपुर। राजस्थान में करणपुर विधानसभा सीट पर चुनाव के लिये नामांकन की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू होगी। इस सीट पर मतदान पांच जनवरी को होना है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि करणपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी के अलावा 11 उम्मीदवार हैं, कांग्रेस को नए प्रत्याशी को नामांकन करना होगा। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस उम्मीदवार और विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के कारण करणपुर सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया था। राजस्थान में कुल 200 विधानसभा सीट हैं जिनमें से 199 सीट पर 25 नवंबर को मतदान हुआ और तीन दिसंबर को नतीजे घोषित हुए। इसमें भाजपा को 115 सीट और कांग्रेस को 69 सीट मिलीं।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार करणपुर विधानसभा क्षेत्र में चुनाव करवाने के लिए 12 दिसंबर को अधिसूचना जारी की जाएगी। अधिसूचना के साथ ही नामांकन पत्र जमा करने की प्रक्रिया शुरु होगी। इसके अनुसार पर्चे 19 दिसंबर तक जमा किये जा सकते हैं। 20 दिसंबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। 22 दिसंबर तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकते हैं। मतदान पांच जनवरी को होगा और वोटों की गिनती आठ जनवरी को होगी। करणपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 249 मतदान केंद्र हैं। छह दिसंबर तक यहां दो लाख 40,826 मतदाता थे।

एमएसपी पर मूंग एवं मूंगफली खरीद की पंजीयन सीमा बीस प्रतिशत बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में मूंग एवं मूंगफली की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद के लिए पंजीकरण क्षमता को 90 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत किया गया है एवं जिन केन्द्रों पर पंजीयन क्षमता पूर्ण हो चुकी है वहां 20 प्रतिशत अतिरिक्त पंजीयन सीमा बढ़ायी गई है।

राजफैड प्रबन्ध निदेशक संदेश नायक ने बताया कि राज्य में समर्थन मूल्य का अधिक से अधिक किसानों को लाभ मिले इसके लिए खरीद के लिए पंजीयन सीमा बढ़ाया गया है। नायक ने बताया कि कृषक पंजीयन सीमा बढ़ाने पर मूंग के लिए 12731 एवं मूंगफली के लिए 17025 कुल 29,756 अतिरिक्त किसान पंजीयन करवा सकेंगे। दलहन-तिलहन खरीद की कुल सीमा भारत सरकार द्वारा स्वीकृत लक्ष्य तक सीमित रहेगी। उन्होंने बताया कि मूंग, उड़द, मूंगफली एवं सोयाबीन की समर्थन मूल्य पर जारी खरीद में अब तक मूंग के लिए 32945 किसानों द्वारा एवं मूंगफली के लिए 9443 किसानों द्वारा पंजीकरण कराया गया है।

उन्होंने बताया कि अब तक 5584 किसानों से 11487 मीट्रिक टन मूंग एवं मूंगफली की खरीद की जा चुकी है, जिसकी राशि लगभग 98 करोड़ रुपये है। उड़द एवं सोयाबीन के बाजार भाव समर्थन मूल्य दर से अधिक होने के कारण किसानों द्वारा समर्थन मूल्य पर उक्त जिन्स के विक्रय में रूचि नहीं ली जा रही है। उन्होंने बताया कि किसानों से आग्रह किया कि समर्थन मूल्य खरीद योजना का लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से क्षेत्र के ई-मित्रों के माध्यम से आवश्यक दस्तावेजों यथा (गिरदावरी, बैंक पासबुक, आधार-कार्ड) सहित शीघ्र पंजीयन करावें ताकि किसानों को जिन्स तुलाई के लिए पंजीयन के प्राथमिकता क्रम में तुलाई दिनांक आवंटित की जा सके।

रणथंभौर नेशनल पार्क में बाघिन का शव मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर संभाग के विश्वप्रसिद्ध रणथंभौर नेशनल पार्क में आज एक बाघिन का शव मिला। वन विभाग के अधिकारियों ने बाघिन का शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। विभाग के सूत्रों ने बताया कि कुछ दिन पुराने इस शव को लेकर इस बात की सम्भावना जाहिर की जा रही है कि यह बाघिन टी 63 का शव हो सकता है। बताया गया है कि शव को राजबाग चौकी पर लाकर पोस्टमार्टम किया जाएगा।

रोहित गोदरा और अन्य हार्डकोर अपराधियों के सहयोगियों के घरों पर पुलिस की 190 टीमों की 460 जगह दबिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या की जिम्मेदारी लेने वाले गैंगस्टर रोहित गोदारा पर बीकानेर पुलिस ने सोमवार सुबह सर्जिकल स्ट्राइक की। पुलिस की 190 टीम में शामिल साढ़े पांच सौ पुलिसकर्मियों ने 460 जगह दबिश दी। इस दौरान तीस हजार रुपए के इनामी बदमाश सहित बीस गुर्गों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान लूणकरनसर में रोहित गोदारा के घर पर भी पुलिस ने दबिश दी है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बीकानेर पुलिस ने सोमवार सुबह अंधेरे-अंधेरे ही टीमों को दबिश के लिए रवाना कर दिया। एरिया डोमिनेशन की कार्रवाई करते हुए पुलिस ने रोहित गोदरा एवं अन्य हार्डकोर अपराधियों और उनके गुर्गों के घरों पर दबिश दी। सुबह 10 बजे तक 460 जगह दबिश दी चुकी थी। इस दौरान 85 जनों को पकड़ा गया। जिन पर अनेक आपराधिक गतिविधियों का आरोप लगाया गया है। साथ ही तीस हजार रुपए का इनामी बदमाश भी गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान 19 स्थायी वारंटी अपराधी भी गिरफ़्तार गिरफ्तार किए गए। पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम स्वयं सुबह 5 बजे दबिश देने के लिए अपनी टीम के साथ रवाना हुई। इस दौरान चार जगह दबिश दे है। रोहित गोदारा के घर पर भी दबिश दी गई है। वहां से क्या मिला, इस बारे में शाम तक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। सुबह-सवेरे ही एसपी को अपने घर पर देखकर अपराधियों व बदमाशों के होश उड़ गए। इसके अलावा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्यारेलाल शिवरान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार, सभी सीओ भी इस कार्रवाई में शामिल हुए। सभी थानेदारों को रात को ही अलर्ट कर दिया गया।एसपी को अपने घर पर देखकर अपराधियों व बदमाशों के होश उड़ गए। इसके अलावा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्यारेलाल शिवरान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार, सभी सीओ भी इस कार्रवाई में शामिल हुए।

मरुधरा में सर्दी ने दिखाए तीखे तेवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

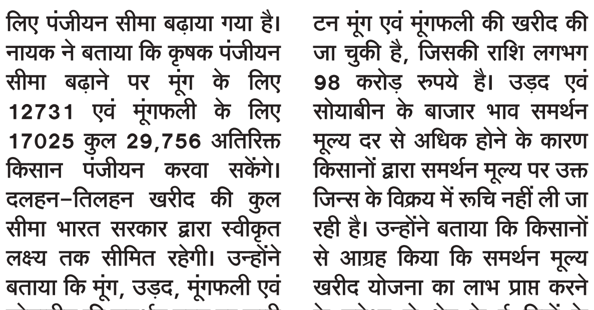

जयपुर। राजस्थान में पिछले दिनों से मौसम में शुष्कता बढ़ने से तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग की ताजा जानकारी के अनुसार 11 दिसंबर से एक ताजा कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है, इससे सर्दी का असर और भी बढ़ सकता है। इधर ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई की शुरुआत होने से सर्दी के कारण सुबह घना कोहरा दिखाई देने लगा है। प्रदेश के सबसे कम तापमान वाले इलाकों की बात करें तो सीकर में रविवार को न्यूनतम तापमान 3.8 दर्ज किया गया जो कि इस सीजन का सबसे कम तापमान है। वहीं पूर्वी राजस्थान के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस रहा है। राजधानी जयपुर के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। यहां अधिकतम तापमान 25.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10.7 डिग्री दर्ज किया गया।

दिसंबर महीने में यह चौथी बार है जब माउंट आबू का तापमान जमाव बिंदु या उससे नीचे गया है। तेज सर्दी के कारण यहां पर्यटकों की संख्या में भी इजाफा होने लगा है। इसके अलावा शेखावाटी इलाके में भी सर्दी तेज रही। चूरू में न्यूनतम तापमान 6.4, पिलानी में 7 और सीकर में 5.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राजधानी जयपुर में बीती रात सीजन की सबसे सर्द रात रही। न्यूनतम तापमान 10.7 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जो सबसे इस सीजन का सबसे कम तापमान रहा। हालांकि दो-चार दिन से लगातार पड़ रही तेज धूप के कारण सर्दी से कुछ राहत मिल रही है। जयपुर में 10.7, भीलवाड़ा में 9.8, कोटा 12.3, धौलपुर 10.5, बारां 8.9, करौली 9, बाड़मेर 10.4, जोधपुर 8.6, चूरू 6.4, गंगानगर 7.9 और हनुमानगढ़ में 5.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ। ये इन शहरों का इस सीजन का अब तक का सबसे कम तापमान है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक 19-20 दिसंबर के बाद तापमान में थोड़ी और गिरावट होगी और कुछ शहरों में तापमान सामान्य से नीचे आ सकता है।

लोकसभा चुनाव में फिर से ओबीसी वोटरों को साधने में जुटेगी कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा चुनाव में हार मिलने के बाद अब कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों पर अभी से फोकस बढ़ा दिया है। चुनावों से पहले कांग्रेस मूल ओबीसी वोटर को साधने में जुटेगी। इसके लिए जातिगत जनगणना जैसे मुद्दों को फिर से लोगों के बीच लेकर पहुंचेंगी। लोकसभा चुनाव में भी राजस्थान में मोदी का मुकाबला अशोक गहलोत जैसे नेताओं से होगा, लिहाजा कांग्रेस ने मुस्लिम वोटर के अलावा अपने परंपरागत वोट बैंक को फिर से जोड़ने की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है।

राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि कांग्रेस के परपंरागत वोट बैंक रहे मुस्लिम वर्ग ने दक्षिण राज्य कर्नाटक और तेलंगाना में वापसी की तो कांग्रेस को दो राज्यों में जीत मिली। उत्तर भारत के राज्यों में कांग्रेस का ओबीसी वर्ग भी कांग्रेस का मूल वोट बैंक माना जाता है। राजस्थान विधानसभा चुनाव परिणाम में मूल ओबीसी वर्ग के भाजपा में नहीं छिटकने के आंकड़ों चलते कांग्रेस ने इन्हें फिर से साधने की तैयारी शुरु कर दी है। पार्टी राजस्थान में ओबीसी वर्गों को फिर से अपने पाले में लाने की तैयारी करेगी, क्योंकि 65 फीसदी से अधिक वोटरों वाला यह सबसे बड़ा वर्ग है। कांग्रेस थिंक टैंक का मानना है कि राजस्थान विधानसभा चुनाव में अधिकांश सीटों पर जाट और गुर्जर समाज का झुकाव कांग्रेस की तरफ ही नजर आया। भाजपा और कांग्रेस के बीच कुछ वोटों का बंटवारा जरूर हुआ है, लेकिन 70 प्रतिशत ओबीसी वोट कांग्रेस के पास ही पहुंचा है। कांग्रेस समय रहते इन वर्ग पर ध्यान देती तो यह वोट बैंक नहीं छिटकता, लेकिन लोकसभा चुनाव से पहले इन वोट बैंक को तरजीह देकर साधना होगा। इसी तरह एससी-एसटी वर्ग का भी जो थोड़ा बहुत वोट बैंक छिटका है, उसे भी वापस लाने की रणनीति पर काम तेज होगा।

कांग्रेस की भाजपा के मुख्यमंत्री घोषित करने पर भी नजरें बनी हुई हैं। भाजपा ने यदि सामान्य वर्ग से मुख्यमंत्री घोषित किया तो कांग्रेस इस पर अपनी रणनीति बनाएगी।

भाजपा ने ओबीसी वर्ग को केवल डिप्टी सीएम बनाकर साधने की कोशिश की तो कांग्रेस इसी मुद्दे को लेकर ओबीसी वर्ग के बीच जाएगी, ताकि चुनाव से पहले ओबीसी वर्ग को कांग्रेस के पाले में लाया जा सके। कांग्रेस नेता मानते हैं कि जातिगत जनगणना का मुद्दा ओबीसी वर्ग के बीच पहुंचा तो यह वोट बैंक कम छिटका। इसलिए जातिगत जनगणना के मुद्दे को कांग्रेस फिर से जोर शोर से उठाएगी।

लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

झालावाड़/दक्षिण भारत । भवानी मंडी थाना पुलिस ने नकाबपोशो द्वारा गन दिखा व्यापारी के दो मुनीमों से 3.29 लाख रुपए से भरा बैग लूट कर ले जाने के मामले का खुलासा कर घटना के दो आरोपियों कमलेश पुत्र कालू लाल (32) एवं कुशाल सिंह पुत्र दाणी सिंह (23) निवासी कुण्डी खेड़ा थाना भवानी मंडी को गिरफ्तार किया है। एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि 9 दिसंबर को व्यापारिक गोविंद वशिष्ठ के मुनीम रोहित व अनिल कृषि उपज मंडी में कृषि जींस खरीदने के बाद बची रकम 3 लाख 29 हजार थैले में रखकर जैसे ही व्यापारी के घर पहुंचे। घर के गेट पर रुपयों का थैला देते समय बाइक पर आए दो नकाबपोश व्यक्ति मुनीम रोहित को पिस्टल दिखाकर रुपयों से भरा बैग छीन कर भाग गए।

लूट की घटना को गंभीरता से लेते हुए एसपी तोमर द्वारा वारदात के खुलासे के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजी लाल मीणा व सीओ मनोज गुप्ता के सुपरविजन एवं एसएचओ मांगे लाल यादव के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

टीम ने टीम भावना से कार्य कर कृषि उपज मंडी से व्यापारी के घर तक के रास्ते, पेट्रोल पंप, पेट्रोल नाकों पर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज देख रैकी करने वाले व्यक्तियों की पहचान की।

उसके बाद आरोपी कमलेश और कुशाल सिंह को तलाश कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। फिलहाल पुलिस टीम द्वारा इनसे लूट की राशि बरामद करने के लिए अनुसंधान किया जा रहा है।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक की गला रेतकर हत्या

कोटा/दक्षिण भारत । उद्योग नगर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात बदमाशों ने एक युवक की धारदार हथियार (छुर्री) से गला रेत कर हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार को शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। इससे पूर्व मोर्चरी के बाहर हत्या के विरोध में वाल्मीकि समाज के लोगों ने परिजनों के साथ मिलकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर रोष जताया तथा हंगामा किया। सूचना पर डिप्टी एसपी धर्मवीर सिंह पुलिस बल के साथ मोर्चरी पहुंचे तथा मामला शांति किया। उधर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को डिटेन किया है। आरोपियों से पुलिस गहनता से पूछताछ कर रही है। डिप्टी एसपी धर्मवीर सिंह ने बताया कि राहुल वाल्मीकि निवासी कंसुआ तथा आरोपी सुनील उर्फ बाबू व वीरेन्द्र के बीच किसी बात को लेकर रंजिश चल रही थी। राहुल व वीरेन्द्र के बीच 2023 में मारपीट हुई थी। जिसमें राहुल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया कर कोर्ट में चालान पेश किया था।

इसी बात को लेकर शनिवार रात को मृतक और आरोपियों के बीच कहासुनी हो गई। इस दौरान मृतक ने आरोपियों से गाली गलौज की। इसके बाद वह अपने घर आ गया ।

विहिप अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के पीले चावल बांटेगी

अजमेर/दक्षिण भारत । राजस्थान के अजमेर में विश्व हिंदू परिषद विहिप अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी के आमंत्रण निमित्त पीले चावल बांटेगी। यह कार्य विहिप के ..गृह सम्पर्क अभियान..के तहत किया जायेगा। विश्व हिन्दू परिषद चित्तौड़ प्रांत के सह मंत्री शशिप्रकाश इंदौरिया ने बताया कि अयोध्या से आये पीले चावल का वितरण विहिप कार्यकर्ता 1 से 10 जनवरी के मध्य करेंगे।

उन्होंने बताया कि घर-घर जाकर कार्यकर्ता पीले चावल बांटेंगे और 22 जनवरी को अयोध्या के लिए आमंत्रित करेंगे। उन्होंने बताया कि राम मंदिर अयोध्या प्राण-प्रतिष्ठा आयोजन में देश-प्रदेश-विदेश से श्रद्धालु वहा पहुंचेंगे। इससे पहले अयोध्या से आये पीले चावल को वहां से आये ..अक्षत क्लशों.. से निकाल कर छोटी थैली में भगवान राम के चित्र एवं अयोध्या आमंत्रण पत्रक के साथ घर घर वितरित किया जायेगा।

अनुच्छेद-370 को निरस्त करने संबंधी मोदी के फैसले ने देश की एकता, अखंडता को मजबूती दी : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने संबंधी केंद्र के फैसले को उच्चतम न्यायालय द्वारा बरकरार रखे जाने के निर्णय को 'ऐतिहासिक' बताया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2019 में इस फैसले से भारत की एकता तथा अखंडता को और मजबूती दी।

उच्चतम न्यायालय ने सर्वसम्मति से पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के सरकार के फैसले को बरकरार रखते हुए सोमवार को कहा कि यथाशीघ्र राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए और अगले साल 30 सितंबर तक विधानसभा चुनाव कराने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। शीर्ष अदालत ने 2019 में जम्मू-कश्मीर से केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को अलग करने के फैसले की वैधता को भी बरकरार रखा। उन्होंने कहा, ''आज जम्मू एवं कश्मीर विकास के एक नये युग में प्रवेश कर चुका है। मुझे पूरा विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख का पूरा क्षेत्र विकास एवं सुशासन की दृष्टि से सिरमौर साबित होगा।''

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि शीर्ष अदालत का फैसला जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ लद्दाख के लोगों के लिए उज्ज्वल भविष्य का संकेत देता है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार उनके और अधिक विकास के लिए अपने 'अथक प्रयास' जारी रखेगी। जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज के ऐतिहासिक फैसले के माध्यम से, उच्चतम न्यायालय ने पांच अगस्त, 2019 को संसद द्वारा लिए गए फैसले को बरकरार रखा है। इस अवधि में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख ने विकास, सुशासन और सशक्तीकरण को देखा है जो लंबे समय से अपेक्षित था।'' उन्होंने कहा, ''इसने भारत की एकता और अखंडता को और मजबूत किया है।''

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि शीर्ष अदालत का फैसला देश के सभी 'राष्ट्रवादी लोगों' के लिए जीत और जश्न का क्षण है, जिन्होंने 'भारत के साथ जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण' का सपना देखा था और जिसके लिए उन्होंने राजनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ी और यहां तक कि अपने जीवन का बलिदान भी दिया। ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार ने नेहरू युग के दौरान कांग्रेस द्वारा की गई कई 'ऐतिहासिक भूलों' में से एक को सुधारने के लिए पांच अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किया।

सरकार ने जम्मू-कश्मीर को देश की 'मुख्य विचारधारा' में जोड़ने का 'ऐतिहासिक' काम किया: नड्डा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के सरकार के फैसले को बरकरार रखने वाले उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर को देश की 'मुख्य विचारधारा' में जोड़ने का 'ऐतिहासिक' काम किया गया है।

नड्डा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा धारा 370 के विषय में दिये गये फ़ैसले का भारतीय जनता पार्टी स्वागत करती है। उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पीठ ने धारा 370 और 35ए को हटाने के लिए दिए गये निर्णय, उसकी प्रक्रिया और उद्देश्य को सही ठहराया है।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने जम्मू-कश्मीर को देश की मुख्य विचारधारा में जोड़ने का ऐतिहासिक काम किया है, इसके लिए मैं और हमारे करोड़ों कार्यकर्ता प्रधानमंत्री का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।'' उच्चतम न्यायालय ने पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के सरकार के फैसले को बरकरार रखते हुए सोमवार को कहा कि अगले साल 30 सितंबर तक विधानसभा चुनाव कराने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। शीर्ष अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाए। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने अपने और न्यायमूर्ति बी आर गवई एवं न्यायमूर्ति सूर्यकांत की ओर से फैसला सुनाते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था और राष्ट्रपति के पास इसे रद्द करने की शक्ति है।

योगी आदित्यनाथ ने अनुच्छेद 370 पर न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने संबंधी केंद्र सरकार के फैसले को बरकरार रखने के उच्चतम न्यायालय के निर्णय का सोमवार को स्वागत किया और कहा कि यह फैसला 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूती प्रदान करने वाला है।

आदित्यनाथ ने शीर्ष अदालत के फैसले के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 370 और 35 ए के संबंध में दिया गया निर्णय 'अभिनंदनीय' है। यह 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूती प्रदान करने वाला है। 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर को देश की मुख्यधारा से जोड़ने वाले ऐतिहासिक कार्य के लिए 25 करोड़ प्रदेश वासियों की ओर से उनका पुनः हार्दिक आभार।'' उन्होंने एक और पोस्ट में लिखा, ''निश्चित रूप से प्रधानमंत्री जी के यशस्वी नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख क्षेत्र सुशासन, विकास और समृद्धि के नए मापदंड स्थापित करेंगे। जय हिंद।'' उच्चतम न्यायालय ने पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के सरकार के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि अगले साल 30 सितंबर तक विस चुनाव कराने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। शीर्ष अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाए।

आज जम्मू-कश्मीर विकास के एक 'नये युग' में प्रवेश कर चुका है: राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र सरकार के फैसले पर उच्चतम न्यायालय की ओर से मुहर लगाए जाने को हर भारतवासी को हर्षित करने वाला 'ऐतिहासिक' निर्णय करार दिया और सोमवार को कहा कि आज जम्मू-कश्मीर विकास के एक 'नये युग' में प्रवेश कर चुका है।

सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''आज उच्चतम न्यायालय द्वारा, संविधान के अनुच्छेद 370 और 35ए को समाप्त करने के प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी के निर्णय और उस पूरी प्रक्रिया को सही ठहराया गया है। उच्चतम न्यायालय का यह ऐतिहासिक निर्णय हर भारतवासी को हर्षित करने वाला है।'' उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को समाप्त करके प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल एक नया अध्याय लिखा है बल्कि भारत की एकता और अखंडता को नई मज़बूती भी दी है। उन्होंने कहा, ''आज जम्मू एवं कश्मीर विकास के एक नये युग में प्रवेश कर चुका है। मुझे पूरा विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख का पूरा क्षेत्र विकास एवं सुशासन की दृष्टि से सिरमौर साबित होगा।'' उच्चतम न्यायालय ने पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के सरकार के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि अगले साल 30 सितंबर तक विधानसभा चुनाव कराने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

गृह मंत्री बताएं, पीओके को कब भारत के नियंत्रण में लाएंगे: चौधरी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने अनुच्छेद 370 को हटाए जाने से जुड़े उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद सोमवार को कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को यह बताना चाहिए कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारत के अधीन कब लाया जाएगा क्योंकि उन्होंने संसद के भीतर ऐसा बयान दिया था। उन्होंने कहा कि सरकार को जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव की घोषणा करनी चाहिए और उसका पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए। लोकसभा में कांग्रेस के नेता चौधरी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''सदन में हम बार बार गुहार लगा रहे थे कि एक राज्य को आपने केंद्रशासित प्रदेश बना दिया तो इसका पूर्ण राज्य का दर्जा कब बहाल करेंगे?'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''सदन में गृह मंत्री अमित शाह जी सीना ठोकर कह रहे थे कि पीओके को कब्जे में लाएंगे। अब बताएं कि कब लाएंगे? कम से कम चुनाव से पहले पीओके कब्जे में लाइए। अब यह बताइए कि चुनाव कब होगा?'' चौधरी ने कहा, ''जल्द चुनाव की घोषणा की जानी चाहिए तथा कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए।'' उच्चतम न्यायालय ने पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के सरकार के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा अगले साल 30 सितंबर तक विस चुनाव कराने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने लोकसभा से निष्कासन को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की नेता महुआ मोइत्रा ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया और लोकसभा से अपने निष्कासन को चुनौती दी। लोकसभा की आचार समिति ने उस रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया जिसमें मोइत्रा को 'पैसे लेकर सवाल पूछने' के मामले में 'अनैतिक एवं अशोभनीय आचरण' का जिम्मेदार माना गया था।

संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने आठ दिसंबर को हंगामेदार चर्चा के बाद लोकसभा में मोइत्रा के निष्कासन का प्रस्ताव पेश किया जिसे सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी। चर्चा में मोइत्रा को खुद का पक्ष रखने का मौका नहीं मिला था। अपने निष्कासन पर प्रतिक्रिया देते हुए मोइत्रा ने इस फैसले की तुलना ''कंगारू अदालत'' द्वारा सजा दिए जाने से करते हुए आरोप लगाया कि सरकार लोकसभा की आचार समिति को, विपक्ष को झुकने के लिए मजबूर करने का हथियार बना रही है। इससे पहले, आचार समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार सोनकर ने मोइत्रा के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे द्वारा दर्ज कराई गई एक शिकायत पर समिति की पहली रिपोर्ट सदन में पेश की थी।

प्रवर्तन निदेशालय ने धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए हेमंत सोरेन को समन भेजा

रांची/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को नया समन भेजा है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि सोरेन (48) को यहां हिनू क्षेत्र में संघीय एजेंसी के क्षेत्रीय कार्यालय में मंगलवार (12 दिसम्बर) को उपस्थित होने और धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। ईडी की ओर से सोरेन को जारी किया गया यह छठा नोटिस है, लेकिन वह एक भी बार एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई से संरक्षण का अनुरोध करते हुए उच्चतम न्यायालय और बाद में झारखंड उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की थी और समन को 'अनुचित' बताया था। दोनों अदालतों ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

ज्ञानवापी सर्वेक्षण रिपोर्ट पेश करने के लिए एएसआई को एक सप्ताह का और समय मिला

वाराणसी (उप्र)/भाषा। वाराणसी की जिला अदालत ने सोमवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को यहां ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट पूरी करने और उसे जमा करने के लिए एक सप्ताह का और समय दिया है। विवाद में हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने कहा कि मामले की सुनवाई करते हुए जिला न्यायाधीश एके विश्वेश ने एएसआई को सर्वेक्षण पूरा करने और अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए एक सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया। अदालत ने मामले में सुनवाई की अगली तारीख 18 दिसंबर तय की है। हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव ने कहा कि एएसआई ने अपने आवेदन में अपने अधीक्षण पुरातत्वविद् अविनाश मोहंती के खराब स्वास्थ्य, रक्तचाप में अचानक वृद्धि और अदालत में उपस्थित होने में असमर्थता का हवाला देते हुए सोमवार को रिपोर्ट पेश करने में असमर्थता जताई।

यह छठी बार है जब अदालत ने एएसआई को अपनी सर्वेक्षण रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय दिया है। इससे पहले अदालत ने एएसआई को छह सितंबर, पांच अक्टूबर, दो नवंबर, 17 नवंबर और 30 नवंबर को समय दिया था। पिछली बार 30 नवंबर को जिला अदालत ने एएसआई को 11 दिसंबर तक ज्ञानवापी परिसर की सर्वेक्षण रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा था। अपने आवेदन में, एएसआई ने कहा था कि विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा दी गई जानकारी को आत्मसात करने के लिए और अधिक समय की आवश्यकता है। एएसआई ने अपने आवेदन में कहा था कि उसके विशेषज्ञ पुरातत्वविदों, पुरालेखविदों, सर्वेक्षणकर्ताओं, भूभौतिकी विशेषज्ञों आदि द्वारा एकत्र किए गए विभिन्न प्रकार के आंकड़ों को संग्रहित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। एएसआई ने दो नवंबर को अदालत को बताया कि उसने सर्वेक्षण 'पूरा' कर लिया है।

रीजीजू ने अरुणाचल के लोगों को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति का आश्वासन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रीजीजू ने अरुणाचल प्रदेश के लोगों को राज्य के वेस्ट कामेंग जिले में 'डॉपलर रडार प्रणाली' स्थापित किए जाने सहित प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति का आश्वासन दिया है।

रीजीजू ने रविवार को जिला मुख्यालय बोमडिला में स्थित एक स्थायी भूकंप वेधशाला का उद्घाटन किया और कहा कि डॉपलर प्रणाली की परिकल्पना बारिश, तापमान और आर्द्रता का पूर्वानुमान प्रदान करने के लिए की गई है। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को उनकी खेती संबंधी योजना बनाने में सहायता मिलेगी।

सरकारी महाविद्यालय बोमडिला में स्थापित वेधशाला अरुणाचल प्रदेश के लिए बहुत महत्व रखती है, क्योंकि यह भूकंप के प्रति संवेदनशील भूकंपीय क्षेत्र - पांच में स्थित है। रीजीजू ने पृथ्वी विज्ञान विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और भूकंप का पता लगाने में वेधशाला के संभावित लाभों पर प्रकाश डाला।

मंत्री ने विज्ञान के योगदान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा, देश का भविष्य हमारे हाथों में है। मंत्री ने जिले के निर्वाचित प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों से अगले 25 वर्षों में भारत को एक विकसित देश बनाने के प्रयासों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया।

उप्र की जेल में 'संदिग्ध परिस्थिति' में कैदी मृत पाए गए : जांच रिपोर्ट

सुलतानपुर (उप्र)/भाषा। सुलतानपुर की एक जेल में दो विचाराधीन कैदियों की कथित आत्महत्या की मजिस्ट्रेट जांच से पता चला है कि उनकी मौत ''संदिग्ध परिस्थितियों'' में हुई। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

दो विचाराधीन कैदी मनोज रैदास उर्फ मंजू (21) और उसके चचेरे भाई विजय पासी उर्फ करिया (19) के शव 21 जून, 2023 को अमहट जिला जेल में एक पेड़ से फंदे से लटके हुए पाए गए थे।

जेल अधिकारियों ने दावा किया था कि दलित समुदाय से आने वाले दोनों कैदियों ने ''अवसाद'' के कारण आत्महत्या की, लेकिन इसके विपरीत मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) सपना त्रिपाठी ने 24 पन्ने की जांच रिपोर्ट में पाया कि उनकी मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई और यह साबित नहीं हुआ कि कैदियों की मौत अवसाद के कारण हुई थी। जिला जेल में बंद दो विचाराधीन कैदियों के इसी वर्ष जून में फंदे से लटककर कथित रूप से आत्महत्या करने के मामले में जांच अधिकारियों ने जेल अधिकारियों को दोषी ठहराया है। रिपोर्ट पिछले सप्ताह जिला न्यायाधीश को सौंपी गई थी।

प. बंगाल : आयकर विभाग ने आईएफए के पूर्व सचिव उत्पल गांगुली से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। आयकर विभाग ने विदेशी शराब व्यापार में वित्तीय अनियमितताओं की चल रही जांच के सिलसिले में सोमवार को भारतीय फुटबॉल संघ (आईएफए) के पूर्व सचिव उत्पल गांगुली से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयकर अधिकारी प्रासंगिक दस्तावेजों की जांच कर रहे थे और गांगुली से उनके ढकुरिया स्थित आवास पर पूछताछ कर रहे थे। इस दौरान केंद्रीय बलों के जवानों ने सुबह से ही परिसर की घेरेबंदी कर रखी थी। अधिकारी ने कहा, ''हमारे अधिकारी गांगुली से पूछताछ कर रहे हैं और भारत-निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) के व्यापार से संबंधित दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं, जिससे वह जुड़े हुए थे। उन्होंने कहा कि कोलकाता के बालीगंज और कोसीपुर इलाकों में गांगुली से जुड़े कुछ कार्यालयों की भी तलाशी ली जा रही है। फिलहाल, इस मुद्दे पर टिप्पणी के लिए गांगुली से संपर्क नहीं हो सका है। तीन कार्यकाल तक आईएफए सचिव का पद संभालने वाले गांगुली ने 2019 में पद से इस्तीफा दे दिया था।

ओलंपिक का सपना पूरा करने के लिए अगले साल अच्छा प्रदर्शन करना लक्ष्य : अश्विनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पिछले दो सप्ताह के शानदार प्रदर्शन ने अश्विनी पोनप्पा के ओलंपिक में खेलने के सपनों को पंख लगा दिए हैं और भारत की यह स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पेरिस में होने वाले खेल महाकुंभ में जगह बनाने के लिए आगामी बड़ी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है। चौतीस वर्ष की अश्विनी और 20 साल की तनीषा क्रास्टो ने इस साल जनवरी में जोड़ी बनाई थी। उन्होंने रविवार को चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन और यु चियन हुए को 21-13, 21-19 से हराकर गुवाहाटी मास्टर्स का खिताब जीता था जो उनका तीसरा महिला युगल खिताब था।

इससे पहले लखनऊ में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में यह जोड़ी उप विजेता रही थी। वह इस सप्ताह कटक में होने वाले ओडीशा ओपन सुपर 100 टूर्नामेंट में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे। गुवाहाटी में जीत से यह जोड़ी विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर पहुंच गई है और इस तरह से वह शीर्ष 16 में जगह बनाने के करीब पहुंच गई है, जो पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने के लिए चयन मानदंड है। दो बार की ओलंपियन अश्विनी ने पीटीआई से कहा, ''हमारा लक्ष्य निश्चित तौर पर ओलंपिक में खेलना है लेकिन हमारी जोड़ी अभी नई है और इसलिए हमारा लक्ष्य प्रत्येक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करना है। हमारा ध्यान अभी लगातार बेहतर खेल दिखाने पर है।'' उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि ओलंपिक में जगह बनाने के लिए कई कारक होते हैं और इसलिए अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित रखना महत्वपूर्ण है और अगर हम ओलंपिक में जगह बनाते हैं तो यह अच्छा होगा।''

भारत की तरफ से अभी गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली की विश्व में 19वें नंबर की जोड़ी ओलंपिक में जगह बनाने की दौड़ में आगे है। अश्विनी और तनीषा ने इस साल अबूधाबी मास्टर्स सुपर 100 टूर्नामेंट और नॉन्टेस इंटरनेशनल चैलेंज का खिताब भी जीता था।

अश्विनी ने कहा, ''अब हमें बड़े टूर्नामेंट में प्रवेश मिल जाएगा। हमने असल में इस साल शुरुआत सुपर 500 प्रतियोगिता (इंडोनेशिया मास्टर्स) से की थी जहां हम क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। इससे हमारा काफी मनोबल बढ़ा था क्योंकि यह एक जोड़ी के रूप में हमारा पहला टूर्नामेंट था।'' उन्होंने कहा, ''अब छोटे टूर्नामेंट में खेलने से हमें अपने खेल को बेहतर करने का मौका मिला। इससे हमारा काफी आत्मविश्वास बढ़ा। अब हम एक साथ मिलकर कई मैच खेल चुके हैं। इसलिए हम इन सकारात्मक पहलुओं के साथ अगले साल में प्रवेश करना चाहते हैं। लेकिन अभी हमारा ध्यान ओडीशा ओपन में अच्छा प्रदर्शन करने पर है।''

बड़े खिलाड़ी हैं विराट कोहली, टेस्ट श्रृंखला में अहम होगी भूमिका : कैलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के महान हरफनमौला जाक कैलिस ने कहा कि दो मैचों की आगामी टेस्ट श्रृंखला में विराट कोहली का फॉर्म और दक्षिण अफ्रीकी पिचों की जानकारी भारत की सफलता के लिये अहम साबित होगी ।

भारत को सेंचुरियन में 26 से 30 दिसंबर तक और केपटाउन में तीन से सात जनवरी तक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट खेलने हैं जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा होंगे ।

कैलिस ने स्टार स्पोटर्स से कहा ,''मुझे यकीन है कि वह दक्षिण अफ्रीका में शानदार प्रदर्शन करना चाहेगा । वह शानदार फॉर्म में है और भारत के लिये उसकी भूमिका अहम होगी । अगर उन्हें यहां जीतना है तो उसे अच्छा प्रदर्शन करना होगा ।'' कोहली ने पिछले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में 30 पारियों में 932 रन बनाये । वह मौजूदा चक्र में एक शतक और एक अर्धशतक बना चुके हैं । वहीं वनडे विश्व कप में 765 रन बनाकर प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रहे । कैलिस ने कहा ,'' वह बहुत बड़ा खिलाड़ी है । दक्षिण अफ्रीका में खेल चुका है और काफी कामयाब रहा है । वह अपना अनुभव दूसरे खिलाड़ियों के साथ बांट सकता है ।'' कोहली ने विदेश में लगाये गए 29 टेस्ट में से दो दक्षिण अफ्रीका में बनाये हैं । कैलिस ने कहा ,'' यह भारतीय टीम अच्छी है लेकिन दक्षिण अफ्रीका को उसकी धरती पर हराना कठिन है ।''

सुविचार

हौसलें हो अगर बुलंद तो मुट्ठी में हर मुकाम है, मुश्किलें और मुसीबतें तो जिंदगी में आम हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सही मायनों में आजादी

अनुच्छेद 370 हमेशा के लिए इतिहास का हिस्सा बन गया। उच्चतम न्यायालय ने पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के इस अनुच्छेद के प्रावधानों को निरस्त करने के केंद्र सरकार के फैसले को सर्वसम्मति से बरकरार रखकर केंद्र शासित प्रदेश को सही मायनों में उन बेड़ियों से आजादी दी है, जो दशकों तक इसकी शांति व प्रगति में बाधक थीं। जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार जिन परिस्थितियों में अनुच्छेद 370 लेकर आई थी, उसकी जरूरत तब रही होगी, लेकिन 21वीं सदी में ऐसे प्रावधान स्पष्ट रूप से गैर-जरूरी थे। आश्चर्य की बात है कि जम्मू-कश्मीर इसे दशकों तक ढोता रहा। यह अनुच्छेद कालांतर में अलगाववाद, अशांति और तुष्टीकरण की वजह बना। सरकारें जानती थीं कि अनुच्छेद 370 जम्मू-कश्मीर को देश की मुख्य धारा में नहीं आने देगा, लेकिन उन्होंने इसे हटाने के लिए आम राय बनाने की कोई कोशिश नहीं की। अगर उन्होंने इच्छाशक्ति दिखाई होती तो इसे हटा सकती थीं। इससे जम्मू-कश्मीर की प्रगति की राह में बड़ा अवरोध वर्षों पहले हट सकता था। खैर, इतिहास की एक बड़ी भूल को अगस्त 2019 में सुधारने की कोशिश हुई और अब उच्चतम न्यायालय के फैसले के साथ उस पर 'पक्की' मुहर लग चुकी है। न्यायालय की यह टिप्पणी भी इस केंद्र शासित प्रदेश में लोकतंत्र का नया सवेरा लेकर आएगी कि 'हम निर्देश देते हैं कि भारत का निर्वाचन आयोग 30 सितंबर, 2024 तक पुनर्गठन अधिनियम की धारा 14 के तहत गठित जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनाव कराने के लिए कदम उठाए। राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाए।'

जम्मू-कश्मीर के लोग बहुत मेहनती और प्रतिभाशाली हैं। अखिल भारतीय परीक्षाओं की योग्यता सूची में कश्मीरी बच्चे शीर्ष स्थान प्राप्त कर चुके हैं। प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर यह इलाका अपनी शक्ति व सामर्थ्य का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाया। अनुच्छेद 370 ने यहां की बेटियों से भेदभाव को बढ़ावा दिया। इसने एक समुदाय के युवाओं के मन में यह गलत धारणा पैदा की कि 'हम दूसरों से अलग हैं'! हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने यह सपना तो नहीं देखा था कि अंग्रेजों के चले जाने के इतने वर्षों बाद भी देश के एक अभिन्न अंग में विभाजनकारी प्रावधान लागू रहें। निस्संदेह जम्मू-कश्मीर के मामले में सरकारों से गलतियां हुई थीं। अनुच्छेद 370 को एक-दो दशक में ही हटा देते तो आज इस पर चर्चा करने की जरूरत नहीं होती। अब जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रक्रिया के लिए आवश्यक कदम उठाने के साथ पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के भारत में विलय की योजना पर भी काम होना चाहिए। आज जम्मू-कश्मीर आजादी की खुली हवा में सांस ले रहा है। यह अधिकार पीओके को क्यों नहीं मिलना चाहिए? वह भी हमारा भूभाग है। भारत मां का मुकुट तब तक अधूरा है, जब तक कि समूचे गिलगित, बाल्टिस्तान समेत पीओके का भारत में विलय नहीं हो जाता। इस संबंध में भारत सरकार का रुख पहले ही स्पष्ट है। भारतीय संसद फरवरी 1994 में ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित कर संकल्प ले चुकी है। अब 'उचित' समय पर 'उचित' कार्रवाई होनी चाहिए, जिससे जम्मू-कश्मीर के हर निवासी को पूरा इन्साफ मिले। इस साल पीओके में पाकिस्तान की ज्यादती के खिलाफ जिस कदर विद्रोह की भावनाएं भड़कीं, उनके मद्देनजर भविष्य में भरपूर संभावनाएं हैं कि वहां लोग इस्लामाबाद के खिलाफ डटकर खड़े हो जाएं। अब जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विकास योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। युवाओं के लिए अधिकाधिक रोजगार के अवसरों का सृजन किया जाए। अब पीछे मुड़कर देखने का वक्त नहीं है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लिए सुनहरा भविष्य इंतजार कर रहा है।

ट्वीटर टॉक

आर्टिकल 370 हटाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट का आज का निर्णय ऐतिहासिक है, जो 5 अगस्त, 2019 को संसद में लिए गए फैसले पर संवैधानिक मुहर लगाता है। इसमें जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के हमारे भाई-बहनों के लिए उम्मीद, उन्नति और एकता का एक सशक्त संदेश है।

-नरेन्द्र मोदी

कांग्रेस और भ्रष्टाचार एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। भ्रष्टाचार और अनाचार कांग्रेस की रीति-नीति हैं। झारखंड के कांग्रेस सांसद धीरज साहू के विभिन्न ठिकानों से जो लगातार काला धन निकल रहा है, यह आकंठ भ्रष्टाचार में डूबे इनके कारनामे का छोटा सा हिस्सा है।

-जेपी नड्डा

देश के पूर्व राष्ट्रपति 'भारत रत्न' स्व. प्रणब मुखर्जी जी की जयंती पर उन्हें सादर वंदन। प्रणब दा ने हमेशा निराशा, अकर्मण्यता, असफलता के अंधकार को अपने आत्मविश्वास और कर्मठता से मिटाने का प्रयास किया तथा विभिन्न मौकों पर भारत का सम्मान बढ़ाया था।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

आत्मप्रशंसा की घातकता

महाभारत के दौरान एक दिन अर्जुन युद्ध करते हुए दूर निकल गए। अवसर का लाभ उठा कौरवों ने धर्मराज युधिष्ठिर को घायल कर दिया। सायंकाल को जब अर्जुन वापस आए, तो उन्होंने विश्रामगृह में युधिष्ठिर को देखा और पूछा, 'तात आप का यह हाल किसने किया?' युधिष्ठिर ने क्रोध में कहा 'धिक्कार है तुम्हारे गांडीव को, जिसके रहते हुए मुझे इतना कष्ट हुआ।' इतना सुनते ही अर्जुन ने धर्मराज युधिष्ठिर पर गांडीव तान दिया। तभी श्रीकृष्ण आ गए। अर्जुन ने उनसे कहा, 'भ्राता ने मेरे गांडीव को ललकारा है। मैंने प्रतिज्ञा की है कि जो भी मेरे गांडीव को ललकारेगा, मैं उसके प्राण ले लूंगा। ऐसी कठिन परिस्थिति में क्या किया जाए?' श्रीकृष्ण ने जवाब दिया, 'तुम जिससे बदला लेना चाहते हो उसे अपशब्द कहो, उसकी आलोचना करो, वह स्वयं ही मर जाएंगे, क्योंकि शास्त्रों में कहा गया है कि अपयश ही मृत्यु है।' अर्जुन ने वहीं किया। उनकी प्रतिज्ञा पूरी हो गई। युधिष्ठिर भी बच गए। जब अर्जुन सोचने लगा, 'मैंने बड़े भाई का अपमान किया है मैं आत्महत्या करूंगा। तब श्रीकृष्ण ने कहा कि अर्जुन आत्मप्रशंसा ही आत्महत्या के समान है।

सामयिक

विष्णुदेव साय के बहाने आदिवासी राजनीति साधी

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

विष्णुदेव साय को छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री घोषित करके भारतीय जनता पार्टी ने एक तीर से अनेक निशाने साधे हैं। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जीवंत आदिवासी समाज को उन्नति के नये शिखर एवं राजनीति में समुचित प्रतिनिधि देने के लिये प्रतिबद्ध है। द्रौपदी मुर्मू को भारत का राष्ट्रपति बनाकर उन्होंने इस समुदाय की आशाओं पर खरे उतरने की कोशिश की है। निश्चित ही विष्णुदेव साय के मुख्यमंत्री बनने से आदिवासी समुदाय में खुशी जगी है, छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पड़ोसी राज्य झारखंड और ओडिशा में भी भाजपा को लाभ मिलेगा, वही मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान के आदिवासी समुदाय के लोगों भी प्रभावित किया जा सकेगा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से विष्णुदेव साय का निर्णय नया राजनीतिक धरातल तैयार करेगा एवं नयी राजनीतिक दिशाओं को उद्घाटित करेगा। जमीन से जुड़े, विनम्र, ईमानदार एवं सादगीप्रिय विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह एवं भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा की दूरगामी सोच एवं राजनीतिक परिपक्वता से जुड़ी साहसिक एवं करिश्माई राजनीति की निष्पत्ति है। छत्तीसगढ़ की राजनीति में विष्णुदेव साय इसलिए बड़ा नाम है, क्योंकि अब तक चार बार के सांसद, तीन बार के विधायक और छत्तीसगढ़ में भाजपा के अध्यक्ष की कमान एवं केंद्र सरकार में राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। 26 साल की उम्र में ही पहली बार विधायक बनने वाले विष्णुदेव के दिवंगत दादा बुधनाथ साय 1947 से 1952 तक विधायक रह चुके हैं। उनके दिवंगत ताऊ नरहरि प्रसाद साय भी दो बार विधायक और एक बार सांसद रह चुके हैं। विष्णुदेव साय ने ताज़ा चुनाव कुनकुरी विधानसभा सीट से लड़ा था, जिसमें उन्होंने 25 हजार 541 वोट से जीत दर्ज की। कम बोलने और बेहद विनम्र माने जाने वाले विष्णुदेव साय को, पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह का बेहद करीबी माना जाता है। निश्चित ही उनकी मुख्यमंत्री की पारी ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं राजनीतिक परिपक्वता का उदाहरण बनेगी। 21 फरवरी 1964 को एक आदिवासी परिवार में जन्में विष्णुदेव साय ने अपनी 10वीं तक की पढ़ाई कुनकुरी के लोयला हायर सेकेंडरी स्कूल से की है। अमित शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान कहा भी था, विष्णुदेवजी हमारे अनुभवी कार्यकर्ता हैं, नेता हैं, सांसद रहे, विधायक रहे, प्रदेश अध्यक्ष रहे। एक अनुभवी नेता को भाजपा आपके सामने लाई है। आप इनको विधायक बना दो, उनको बड़ा आदमी बनाने का काम हम करेंगे।' अमित शाह ने बड़ा आदमी बनाने का अपना वायदा इतना जल्दी पूरा कर दिया है। वैसे भी 32 फ़ीसद आदिवासी जनसंख्या वाले छत्तीसगढ़ की विधानसभा में आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित 29 सीटों में से 17 पर भाजपा के कब्ज़े के बाद माना जा रहा था कि किसी आदिवासी विधायक को भाजपा मुख्यमंत्री या उप मुख्यमंत्री बना सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता में आने के बाद से ही भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बनाया है। भ्रष्टाचार में लिप्त विपक्षी पार्टी के नेताओं के घरों पर ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स की रेड हो रही है। झारखंड के कांग्रेस के सांसद धीरज साहू के घर पर इनकम टैक्स की रेड और 500 करोड़ रुपए की बरामदी हुई है। इसलिये भाजपा ईमानदार नेताओं को आगे लाना चाहती है, विष्णुदेव साय जमीन से जुड़े हैं, आदिवासी हैं और लंबे समय से राजनीतिक जीवन में रहने के बावजूद भ्रष्टाचार के आरोपों से दूर हैं। ऐसे में वे भाजपा के इस कैटेगरी में एकदम फिट बैठे और मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार भी। ईमानदारी के साथ विनम्रता भी उनकी बड़ी विशेषता है। एक दिन पहले उन्होंने कहा- विनम्रता को कमज़ोरी नहीं मानना चाहिए। मैं तो इसे अपनी ताक़त मानता हूं और मेरी कोशिश रहेगी कि आजीवन विनम्र बना रहूं।

वर्ष 2007 में मुख्यमंत्री रहते नरेन्द्र मोदी गुजरात के आदिवासी इलाके कवांट में जैन संत गणि राजेन्द्र विजयजी के नेतृत्व में एक समारोह में 15 हजार करोड़ की वनबंधु योजना की शुरुआत की। इनदिनों इन्हीं जैन मुनि की चर्चा चुनाव सभाओं में एवं गुजरात की एक सभा में प्रधानमंत्री ने की। उनके मन में आदिवासी कल्याण की भावना है। राजनीति जोड़तोड की दृष्टि से देखा जाये तो कांग्रेस जहां मुस्लिम वोटों का ध्रूवीकरण एवं तुष्टिकरण कर रही है तो भाजपा के लिये आदिवासी समुदाय ही रोशनी बनते हुए दिख रहे हैं। निश्चित ही आगामी लोकसभा चुनाव में इन आदिवासी वोटों की महत्वपूर्ण भूमिका बनने वाली है।

जब भाजपा हिन्दू राष्ट्र बनाने की ओर अग्रसर है, ऐसे में आदिवासी समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आदिवासियों में एक बड़ी समस्या धर्मपरिवर्तन की है। प्रलोभनों एवं साम्प्रदायिक ताकतों के कारण कई आदिवासी अपने धर्म को बदलकर आदिवासी समाज से बाहर हो रहे हैं जिसमें ईसाई धर्म को सर्वाधिक स्वीकार गया है। ईसाई मिश्नरियों ने भारत के आदिवासी क्षेत्र छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, ओडिशा, अंडमान निकोबार, झारखंड, गुजरात, महाराष्ट्र में धर्मांतरण के लिये विद्यालयों एवं छात्रावासों में सफल अभियान चलाया है। ऐसे में आदिवासी की अपनी संस्कृति एवं उनका अस्तित्व खतरा में आ गया। आदिवासी अर्थात जो प्रारंभ से वनों में रहता आया है। करीब 400 पीढ़ियों पूर्व सभी भारतीय वन में ही रहते थे और वे आदिवासी थे परंतु विकासक्रम के चलते पहले ग्राम बने फिर कस्बे और अंत में नगर, महानगर। यही से विभाजन होना प्रारंभ हुआ। जो वन में रह गए वे वनावासी, जो गांव में रह गए वे ग्रामवासी और जो नगर में चले गए वे नगरवासी कहलाने लगे। भारत में लगभग 25 प्रतिशत वन क्षेत्र है, इसके अधिकांश हिस्से में आदिवासी समुदाय रहता है। लगभग नब्बे प्रतिशत खनिज सम्पदा, प्रमुख औषधियां एवं मूल्यवान खाद्य पदार्थ इन्हीं आदिवासी क्षेत्रों में हैं। भारत में कुल आबादी का लगभग 11 प्रतिशत आदिवासी समाज है। इसी बड़ी आबादी को प्रभावित करने के लिये द्रोपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाना एवं विष्णुदेव को मुख्यमंत्री बनाना भाजपा की परिपक्व राजनीति को दर्शाता है। विष्णुदेव साय का निर्णय राज्य में आदिवासी वोटर्स को ध्यान में रखते हुए सामने आया है। इससे पहले भी आदिवासी वोटर को साधने के लिए भाजपा ने कई सकारात्मक घोषणाएं की है। ऐसे में कहा जा सकता है कि भाजपा एक सोची-समझी रणनीति के तहत आगे बढ़ रही है।

स्वतंत्रता आन्दोलन में आदिवासी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। ऐसे अनेक महान आदिवासी हुए हैं जिन्होंने भारत की मिट्टी एवं उसके स्वतंत्र अस्तित्व-आजादी के लिए अपना बलिदान एवं महान योगदान दिया। ऐसे महान वीर आदिवासियों से भारत का इतिहास समृद्ध है, जिनमें अप्पा साहब, तात्या टोपे, डा. बी.आर. अम्बेडकर, जयपाल सिंह मुण्डा, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गंडाधुरा, शहीद रानी दुर्गावाती, शहीद बीरसा मुंडा, शहीद सिद्धों, कानु, शहीद तिलका मांझी, शहीद गेंद सिंह, झाड़ा सिरहा जैसे महान आदिवासियों ने अपना बलिदान देकर समाज एवं देश के लिये एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। फिर क्या कारण है कि इस जीवंत एवं मुख्य समाज को देश की मूल धारा से काटने के प्रयास निरन्तर किये जा रहे हैं। आजादी के बाद बनी सभी सरकारों ने इस समाज की उपेक्षा की है। यही कारण है कि यह समाज अनेक समस्याओं से घिरा है।

भाजपा आदिवासी समाज के अस्तित्व एवं अस्मिता को धुंधलाने के प्रयासों को नियंत्रित करने एवं सक्रिय होकर आदिवासी कल्याण की योजनाओं को लागू करने में जुटी है। निश्चित तौर पर लोकसभा चुनाव में आदिवासी वोट काफी अहम होगा। भाजपा ने छत्तीसगढ़ में फिर आदिवासी कार्ड खेला है। विष्णुदेव साय प्रभावी आदिवासी नेता हैं और आदिवासी समुदाय में उनकी बड़ी पकड़ है। भाजपा रणनीति के तहत आदिवासी एवं पिछड़े वर्ग को साधने की कोशिश शुरू कर दी है जिसके चमत्कारी परिणाम आयेंगे।

मुद्दा

लोकसभा चुनाव में भ्रष्टाचार बनेगा बड़ा मुद्दा

आशीष वशिष्ठ
मोबाइल : 99 3624 7777

इन दिनों सोशल मीडिया पर नोटों से भरी अलमारियों की कुछ तस्वीरों खूब वायरल हो रही हैं, जिनका संबंध कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और कारोबारी धीरज साहू से बताया जा रहा है। धीरज साहू के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी जारी है। ये छापेमारी झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 9 ठिकानों पर चल रही है। आयकर विभाग की इस छापेमारी में अब तक 351 करोड़ रुपए मिले हैं। साहू के ठिकानों में मिले बेहिसाब धनराशि ने फिर से एक बार देश में भ्रष्टाचार और कालेधन को लेकर बहस छेड़ दी है। इस मुद्दे पर भाजपा कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर लगातार तंज कस रही है। राजनीति से इतर ये प्रकरण एक गंभीर मामला है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी रही है। पहले कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भ्रष्टाचार पर जबरदस्त वार किया गया था। दूसरे कार्यकाल में मोदी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ और अधिक सख्ती से पेश आ रही है। इस साल 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से देष को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन बुराइयों के खिलाफ लड़ाई का आह्वान किया था, जिनका देश सामना कर रहा है- भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण। अब बीती 8 दिसंबर को किया गया एक्स पर उनका पोस्ट देखिए, जनता से जो लूटा है, उसकी पाई-पाई लौटानी पड़ेगी, यह मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ ऐलान-ए-जंग कर 2024 से पहले विपक्षी इंडिया गठबंधन के खिलाफ जबरदस्त प्रहार किया है। इस तरह उन्होंने लोकसभा चुनाव का एजेंडा और टोन को भी सेट कर दिया है।

याद कीजिए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि, न खाऊंगा और न किसी को खाने दूंगा। मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टालरेंस की नीति अपना रखी है। हालिया पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस समेत इंडिया गठबंधन में शामिल दलों को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जमकर घेरा था। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में अपनी तकरीबन हर चुनावी रैली में प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार का मुद्दा जोर-शोर से उठाते थे। कभी महादेव ऐप घोटाला तो कभी खनन घोटाला, कभी 'लाल डायरी में दर्ज काले कारनामे' तो कभी भर्तियों में धांधली और पेपर लीक...।

राजस्थान की ऐसी ही एक रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने लाल किले से दिए अपने भाषण की बातों को दोहराते हुए कहा कि भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण देश के 3 बड़े दुश्मन हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस इन तीनों की ही प्रतीक है। इसी तरह छत्तीसगढ़ के कांकेर की रैली में प्रधानमंत्री मोदी ने गारंटी दी कि भ्रष्टाचारियों ने जो कुछ भी लूटा है, उसे लौटाना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'मैं गारंटी देता हूं, मैं छत्तीसगढ़ के युवाओं से कहता हूं- छत्तीसगढ़ को लूटने वाले चाहे कोई भी हों, चाहे कितने भी ताकतवर हों, उन्हें सब कुछ लौटाना होगा।'

प्रधानमंत्री मोदी ने 23 जून को पटना में विपक्षी गठबंधन की पहली बैठक के बाद भी भोपाल में एक सभा में विपक्षी दलों की एकता के प्रयासों पर जमकर चुटकियां ली थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि आजकल बार-बार एक शब्द आता है- गारंटी। ये सारे विपक्षी दल भ्रष्टाचार की गारंटी हैं। ये गारंटी हैं लाखों-करोड़ रुपयों के घोटालों की। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले इनका एक फोटोशॉप कार्यक्रम हुआ। उस फोटो में जो लोग हैं उन सब का मिल कर टोटल करेंगे तो ये सारे मिल कर कम से कम 20 लाख करोड़ रुपये के घोटाले की गारंटी हैं।

भ्रष्टाचार पर मोदी सरकार का प्रहार लगातार जारी है। केंद्र की तरफ़ से संसद में रखी गई जानकारी में ये बात सामने आई है। सरकार ने संसद को बताया है कि जुलाई 2014 से दिसम्बर 2020 तक यानी बीते छह साल में 340 बड़े अधिकारियों को भ्रष्टाचार, अनियमितता या फ़िर अक्षमता के चलते जबरन रिटायर किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के विपक्ष पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोपों को बल इस बात से मिलता है विपक्ष के कई नेता आज भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में बंद हैं और कई जमानत पर बाहर हैं। विपक्षी नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के ज्यादातर मामलों में अदालत ने कोई राहत नहीं दी है। विपक्ष के लिए बेशक भ्रष्टाचार मिटाने का मुद्दा प्रमुख न हो, पर इस मामले में भारत की स्थिति भयावह है। करप्शन परसेप्शन इंडेक्स 2022 की 180 देशों की सूची में भारत को 40 अंकों के साथ 85वें पायदान पर रखा गया। निश्चित तौर पर राज्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण ही भारत की यह स्थिति बनी है। विशेषकर विपक्षी दलों की सत्ता वाले राज्यों में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है। यह विपक्षी दलों के लिए कभी भी चिंता का विषय नहीं बना।

चिंतन

सरकारी एजेंसियों को कोसने वालों के गाल पर तमाचा

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

कांग्रेसी सांसद और कारोबारी धीरज साहू के ठिकानों से मिली 351 करोड़ रूपये से अधिक की राशि ने सरकारी एजेंसियों पर आरोप लगाने वाले नेताओं के मुंह पर करारा तमाचा जड़ा है। आधिकारियों कहना है कि यह किसी भी जांच एजेंसी द्वारा एक ही ऑपरेशन में जब्त किया गया अबतक का सबसे बड़ा काला धन है। इससे पहले इतना बड़ा काला धन एक साथ कभी बरामद नहीं किया गया है। फिलहाल आयकर विभाग की छापेमारी जारी है। इसी के साथ धीरज साहू का एक ट्वीट भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। धीरज साहू ने ट्वीट कर कहा था, नोटबंदी के बाद भी देश में इतना कालाधन और भ्रष्टाचार देखकर मन व्यथित हो जाता है। मेरी तो समझ में नहीं आता कि कहां से लोग इतना काला धन जमा कर लेते है? अगर इस देश में भ्रष्टाचार कोई जड़ से खत्म कर सकता है, तो वह सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही है। लोग इस ट्वीट पर यह प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे है की, चोर मचा रहे शोर। आज़ादी के बाद इस सबसे बड़ी कालेधन की बरामदगी पर देश की सियासत गरमा गई है। देशभर में चौक चौराहों और गली नुक्कड़ों पर लोग चटकारे लेकर इसकी चर्चा कर रहे है। लोगों ने मोदी मोदी के नारे लगाकर कालेधन की बरामदगी पर हर्ष व्यक्त किया है। लोग यह भी चर्चा कर रहे है की यह देर से उठाया गया मगर सही कदम है। मोदी सरकार को इस दिशा में और तेजी से काम करने की जरूरत है ताकि देश को लूटने वालों का पर्दाफाश हो। चौकीदार चोर है का नारा लगाने वाले अपने गिरहबान में झांके की चोर कौन है। कांग्रेस नेताओं को जैसे सांप सूंघ गया है।

हमें काले धन के अर्थ को समझना होगा। काला धन, अर्जित किया गया वह धन है, जिस पर सरकार को किसी भी प्रकार का आयकर नहीं दिया जाता है। दूसरे शब्दों में, कालाधन वह धन है जो माल या सेवाओं को प्रदान करने के बदले में भुगतान किया जाता है। समस्या यह है कि काले धन के लिए प्रदान की गई वस्तुऐं या सेवाएं खास तौर पर मान्य नहीं हैं और इसलिए इसका खुलासा नहीं किया जा सकता है।

काले धन का प्रयोग सामान्यत बिना हिसाब-किताब वाले या छुपाई हुई आय अथवा अप्रकट धन या उस धन के लिए किया जाता है, जो पूर्णतया अथवा अंशतया प्रतिबंधित सौदों में लगा हुआ है। काला धन काली आय अथवा काली संपदा के रूप में भी हो सकता है। काली आय से तात्पर्य उन समस्त अवैध प्राप्तियों और लाभों से है जो करों की चोरी, गुप्त कोषों तथा अवैध कार्यो के करने से एक वर्ष में प्राप्त हुए हों। इसी प्रकार काली संपदा से तात्पर्य वह काली आय, जो वर्तमान में खर्च की जाती है और बचा ली जाती है या विनियोजित कर दी जाती है अर्थात अपनी काली आय को व्यक्ति सोना-चाँदी, हीरे-जवाहरातों, बहुमूल्य पत्थरों, भूमि, मकान, व्यापारिक परिसंपत्तियों आदि के रूप में रखता है। इस काले धन को आयकर-अधिकारियों या सरकार की करारोपण दृष्टि से बचाकर रखने में उपर्युक्त प्रक्रिया प्रयोग में लाई जाती है। इस प्रकार, हम देखते हैं कि काले धन शब्द से आशय केवल उस धन से नहीं होता, जो कानूनी धाराओं, यहाँ तक कि सामाजिक ईमानदारी का उल्लंघन करके कमाया गया हो अपितु काले धन में वह धन भी सम्मिलित किया जाता है, जो छुपाकर रखा गया हो और जिसका कोई हिसाब-किताब न हो।काला धन मुख्यत: दो प्रकार की शक्तियाँ उत्पन्न करता है। प्रथमत अवैध साधनों को प्रयोग करके काले धन की प्राप्ति, यथा-तस्करी, फ्लैटों और दुकानों के आवंटन में ली जानेवाली पगड़ी की राशि, माल के कोटों तथा लाइसेंसों को गैर-कानूनी रूप में बेचना, गुप्त कमीशन या घूसखोरी, विदेशी विनिमय की चोरी से प्राप्त धन तथा सरकारी नियंत्रण में बिक्री की कुछ वस्तुओं को काले बाजार में बेचने से अर्जित धन, आदि।

इसी प्रकार दूसरे, प्रकार का काला धन वह होता है, जिसके अर्जन का स्रोत उपर्युक्त के विपरीत अर्थात न्यायपूर्ण तथा वैध साधन होते हैं, परंतु अर्जन करनेवालों के व्यक्तिगत व्यवहारों के कारण यह काले धन का रूप ले लेता है या अपनी आय को कर-अधिकारी से छुपाकर तथा उसपर कर अदा न करके अर्थात 'कर-वंचन' के फलस्वरूप भी काले धन की उत्पत्ति होती है। जैसे-यदि किसी व्यक्ति की वार्षिक आय आयकर के अंतर्गत है तो वह आयकर की राशि को बचाने के लिए अपनी वास्तविक आय से कर आय को दरशाता है। इस प्रकार वह अंतर (वास्तविक आय घोषित आय) 'काला धन' कहलाएगा। वास्तव में कर-वंचन तथा काला धन, दोनों परस्पर अत्यंत घनिष्ठ रूप में संबंधित हैं। कर-वंचन, जहाँ काले धन को जन्म देता है, वहाँ काले धन को जब अधिक आय कमाने के लिए गुप्त रूप से व्यवसाय में लगाया जाता है, तो उससे पुन: कर-वंचन को प्रोत्साहन मिलता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेल्फी

हैदराबाद में सोमवार को बंजारा हिल्स के मार्क्स मीडिया सेंटर में हाई लाइफ प्रदर्शनी के ग्रैंड डेट अनाउंसमेंट कार्यक्रम में अभिनेत्री श्रावंती चोकारपु, प्रिया इंतुरु, मॉडल और अन्य।

मोहन यादव: हिंदुत्व समर्थक और मंदिरों के शहर उज्जैन से भाजपा के प्रमुख ओबीसी नेता

भोपाल/भाषा

मध्यप्रदेश के मनोनीत मुख्यमंत्री मोहन यादव भारतीय जनता पार्टी के एक प्रमुख ओबीसी नेता हैं जिन्हें हिंदुत्व का मुखर समर्थक माना जाता है। मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने हिंदू महाकाव्य 'रामचरितमानस' को 2021 में कॉलेजों में वैकल्पिक विषय बनाने की घोषणा की थी।

तीन बार के भाजपा विधायक मोहन यादव ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत तब की जब वह एक छात्र थे। वह शिवराज सिंह चौहान की सरकार में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री बने। लेकिन यादव को सोमवार शाम को भोपाल में पार्टी के विधायकों की बैठक में भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया, जिससे उनके लिए मध्य प्रदेश के अगले मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने का मार्ग प्रशस्त हो गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के करीबी माने जाने वाले 58

वर्षीय मोहन यादव को एक मुखर हिंदुत्व समर्थक नेता के रूप में देखा जाता है। वह उज्जैन दक्षिण से तीन बार विधायक हैं और एक प्रमुख ओबीसी नेता हैं। मध्य प्रदेश में ओबीसी की संख्या राज्य की कुल आबादी के 48 प्रतिशत से अधिक है।

वह पहली बार 2020 में मंत्री बने जब कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के पतन के बाद भाजपा सत्ता में वापस आई।

यादव का जन्म 25 मार्च, 1965 को उज्जैन में हुआ था। उज्जैन में 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक, प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर है। उन्होंने 1982 में माधव साइंस कॉलेज उज्जैन के संयुक्त सचिव के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया और 1984 में इसके अध्यक्ष के रूप में चुने गए। यादव ने एलएलबी और एमबीए की डिग्री के अलावा डॉक्टरेट (पीएचडी) की डिग्री भी हासिल की। हिंदूवादी संगठन के एक पदाधिकारी ने कहा, यादव युवा अवस्था से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े रहे और 1993 से 1995 तक वह उज्जैन शहर में इसके पदाधिकारी थे। वर्ष 2013 में पहली बार उज्जैन दक्षिण से विधायक चुने गए यादव ने 2011-13 तक मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

विद्यार्थी लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन मूल्यों को अपनाएं: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

लखनऊ/भाषा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को वाराणसी स्थित महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के विद्यार्थियों से कहा कि वे इस विद्यापीठ के पहले बैच के छात्र रहे दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के जीवन मूल्यों को अपनाएं और अपने आचरण में इस पर अमल करें। राष्ट्रपति मुर्मू ने वाराणसी में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के 45वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने कहा,'आपके शिक्षण संस्थान की अत्यंत गौरवशाली विरासत का एक प्रमाण यह है कि दो-दो भारत रत्न इस विद्यापीठ से जुड़े हैं। भारत रत्न डॉक्टर भगवान दास जी काशी विद्यापीठ के प्रथम कुलपति थे और पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री इस विद्यापीठ के पहले बैच के छात्र थे। वस्तुतः काशी विद्यापीठ से वर्ष 1925 में शास्त्री की उपाधि मिलने के बाद से ही उनके नाम के साथ 'शास्त्री' उपनाम जुड़ गया था।'

राष्ट्रपति ने कहा कि शास्त्री जी ने जनसेवक के रूप में सरलता, निष्ठा, त्याग और दृढ़ता के उच्चतम आदर्श प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि इस विद्यापीठ के विद्यार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे शास्त्री जी के जीवन मूल्यों के अनुरूप अपने आचरण को ढालेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि हिंदी माध्यम में उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए बाबू शिव प्रसाद गुप्त जी ने काशी विद्यापीठ की अपनी परिकल्पना की चर्चा महात्मा गांधी से की थी और गांधीजी ने उसे सहर्ष अनुमोदन प्रदान किया था। उन्होंने कहा कि देश की स्वाधीनता के 26 वर्ष पूर्व गांधीजी की परिकल्पना के अनुरूप आत्मनिर्भरता तथा स्वराज के लक्ष्यों के साथ इस विद्यापीठ की यात्रा शुरू हुई थी।

राष्ट्रपति ने कहा, ''यह विद्यापीठ, असहयोग आंदोलन से उत्पन्न संस्था के रूप में हमारे महान स्वाधीनता संग्राम का जीवंत प्रतीक है। 'महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ' के आप सभी विद्यार्थीगण, स्वाधीनता संग्राम के हमारे राष्ट्रीय आदर्शों के ध्वज-वाहक हैं।' उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन की सहायता और नियंत्रण से दूर रहते हुए देशवासियों द्वारा पूर्णतः भारतीय संसाधनों से निर्मित 'काशी विद्यापीठ' का नामकरण 'महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ' करने के पीछे हमारे स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों के प्रति सम्मान व्यक्त करने की भावना निहित है। उन्होंने कहा कि यहां के विद्यार्थियों द्वारा उन आदर्शों पर चलना तथा अमृत-काल के दौरान देश की प्रगति में प्रभावी योगदान देना, विद्यापीठ के राष्ट्र-निर्माता संस्थापकों के प्रति उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुर्मू ने कहा कि यह एक प्रबल लोक मान्यता है कि काशी निरंतर अस्तित्व में बनी रहने वाली विश्व की प्राचीनतम नगरी है। बाबा विश्वनाथ और मां गंगा के आशीर्वाद से युक्त पुण्य-नगरी काशी सबको आकर्षित करती रही है और करती रहेगी। उन्होंने कहा कि मुझे स्मरण है कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने वाराणसी का चयन अपने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के रूप में किया था तो उन्होंने भी यही कहा था कि 'मुझे मां गंगा ने बुलाया है'।

राष्ट्रपति ने काशी नगरी को भारतीय संस्कृति की कालातीत धरोहर करार दिया।

जलवायु संकट के समाधान के लिए विश्व को भारत के नेतृत्व से उम्मीद : राष्ट्रमंडल महासचिव

दुबई/भाषा

राष्ट्रमंडल महासचिव पेट्रिशिया स्कॉटलैंड ने कहा है कि जलवायु संकट का समाधान प्रदान करने के लिए दुनिया भारत के नेतृत्व और बौद्धिक शक्ति पर उम्मीद लगाए बैठी है।

यहां वार्षिक जलवायु सम्मेलन (सीओपी28) में 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में स्कॉटलैंड ने कहा कि वह ''यह सोचकर ही खुशी हो रही है कि भारत क्या करने का फैसला करेगा।'' शिखर सम्मेलन में वार्ताकार गंभीर जलवायु प्रभावों की स्थिति को और बदतर होने से रोकने के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के सर्वोत्तम तरीकों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की बढ़ती मांग के बीच भारत से उनकी अपेक्षाओं के बारे में पूछे जाने पर स्कॉटलैंड ने कहा कि भारत को ''1.4 अरब लोगों का पेट भरने के साथ उनका ख्याल रखना है'', जो कि राष्ट्रमंडल कहे जाने वाले 56 देशों की लगभग आधी आबादी है।

स्कॉटलैंड ने कहा, ''मैं उम्मीद कर रही हूं कि भारत में अपनी स्थिति संभालने और नेतृत्व करने का साहस होगा और वह ऐसा कर सकता है। अन्य राष्ट्रमंडल देशों के साथ-साथ भारत से जो प्रतिभा आ रही है, वह हमें इस समस्या को हल करने में सक्षम बना सकती है।'' उन्होंने कहा, ''भारत पूरी तरह से आशा का प्रतिनिधित्व करता है...राष्ट्रमंडल कुछ सबसे आश्चर्यजनक समाधानों की पेशकश के लिए इसका आभारी है।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि देश नेतृत्व की अपनी स्थिति बनाए रखेगा। स्कॉटलैंड ने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया को ''उचित बदलाव'' की आवश्यकता है, जिसका अर्थ है निष्पक्ष और तार्किक तरीके से जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ऊर्जा की तरफ बढ़ना।''हम सभी स्वीकार करते हैं कि यह चुटकी बजाते ही नहीं हो सकता। हमें निष्पक्ष रूप से इसकी योजना बनानी होगी।'' भारत की प्रौद्योगिकी क्रांति पर प्रसन्नता जताते हुए उन्होंने कहा कि तेजी से विकसित हो रहे देश ने न केवल लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है, बल्कि पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत कम राशि खर्च करके चंद्रमा के 'दक्षिणी हिस्से' तक भी पहुंच गया।

दीक्षांत समारोह

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार को वाराणसी में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के 45वें दीक्षांत समारोह के दौरान डिग्री प्राप्तकर्ताओं के साथ तस्वीर खिंचवाते हुए।

ऋतिक रोशन ने की सबा आजाद की तारीफ

मुंबई/एजेन्सी

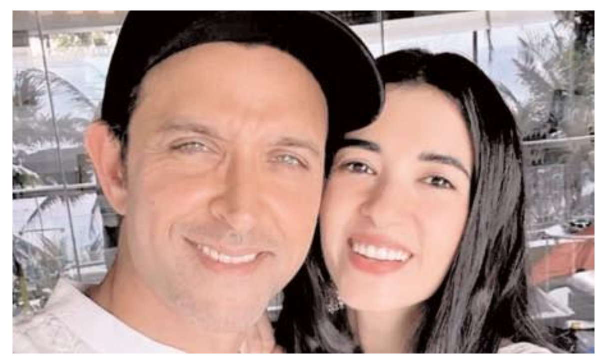

ऋतिक रोशन की पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों लाइफ हमेशा लाइमलाइट में रहती हैं। वैसे ऋतिक इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'फाइटर' को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। यह फिल्म गणतंत्र दिवस के एक दिन पहले 25 जनवरी 2024 को रिलीज होगी। हाल ही इसका टीजर जारी किया गया था, जिसमें ऋतिक के साथ साथी कलाकार दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर की भी खूब तारीफ हुई।

ऋतिक अपनी गर्लफ्रेंड एक्ट्रेस सबा आजाद के कारण भी अक्सर चर्चाओं में आ जाते हैं। वे सबा के साथ गोल देते हुए नजर आते हैं। साथ ही हमेशा सबा का उत्साह बढ़ाते रहते हैं। ऋतिक ने एक बार फिर से कुछ ऐसा ही किया है। दरअसल रविवार (10 दिसंबर) को सबा ने 'खो गए हम कहां' की ट्रेलर लॉन्च इवेंट में परफॉर्म करते हुए गाना गाने के साथ डांस भी किया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस पर ऋतिक ने भी रिएक्शन दी है। ऋतिक ने वीडियो को इंस्टाग्राम की स्टोरीज पर शेयर कर सबा के एक्ट की तारीफ की।

ऋतिक ने लिखा, बंद नाक के साथ छींक के बीच परफॉर्म किया, लेकिन फिर भी यह बहुत मजेदार है। यह गाना अच्छा है। इसके साथ लाल दिल वाली इमोजी शेयर की। इवेंट से एक वीडियो भी सामने आया, जिसमें 'खो गए हम कहां' के सितारे अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी व आदर्श गौरव मंच पर सबा के साथ डांस करते नजर आए। सबा ने बोल्ड वेस्टर्न ड्रेस पहनी थी। डार्क मेकअप और खुले बालों के साथ सबा ने लुक पूरा किया। उल्लेखनीय है कि ऋतिक का अपनी पत्नी सुजैन खान से तलाक हो चुका है। उनके दो बेटे हैं। पिछले कुछ समय से ऋतिक का सबा से अफेयर चल रहा है।

मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मैंने जगजीत सिंह के साथ काम किया : कुमार शानू

मुंबई/एजेन्सी

सिंगर और 'इंडियन आइडल 14' के जज कुमार शानू ने अपनी जिंदगी के उन पलों को साझा किया, जब वह अपना नाम बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे और बताया कि कैसे महान संगीतकार जगजीत सिंह ने उन्हें खोजा और इंडस्ट्री में लाए। सिंगिंग रियलिटी शो ने स्टेज पर राज बब्बर के साथ जश्न मनाया। फिल्म इंडस्ट्री में अपने सराहनीय काम के लिए जाने जाने वाले राज ने सिंगर और एक्ट्रेस सलमा आगा के साथ शो की शोभा बढ़ाई।

कंटेस्टेंट्स ने उन्हें म्यूजिकल ट्रिब्यूट दिया और जज श्रेया घोषाल और कुमार शानू को इंप्रेस करने के लिए हिट चार्टबस्टर्स गाए। इस कड़ी में राजस्थान के कंटेस्टेंट पीयूष पंवार ने राज बब्बर और जजों का दिल जीत लिया।

उन्होंने फिल्म 'प्रेम गीत' और 'आप तो ऐसे ना थे' के गाने 'होठों से छू लो तुम' और 'तू इस तरह से मेरी जिंदगी' पर परफॉर्म किया। पीयूष की सिंगिंग स्टाइल की प्रशंसा करते हुए और महान जगजीत सिंह के बारे में बात करते हुए राज बब्बर ने कहा, ''आउटस्टैंडिंग.. मुझे इन दोनों गानों की वो सारी यादें ताजा हो गईं। गाना बहुत कठिन है और आपने इसे बहुत खूबसूरती से गाया है। 'होठों से छूलो तुम' सुनकर मुझे अपने प्रिय मित्र जगजीत सिंह की याद आ गई। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि जगजीत सिंह ने अपना पहला प्लेबैक सॉन्ग मेरे साथ किया, न केवल हिंदी फिल्म के लिए बल्कि पंजाबी फिल्म 'लौंग दा लश्कारा' के लिए भी।''

कुमार शानू ने साझा किया, ''जब मैं पहली बार मुंबई आया था तो मैंने ये गाने गाकर बहुत पैसे कमाए। मैं होटलों में ये गाने गाता था और हर किसी को 'होठों से छू लों तुम' बहुत पसंद था। आपके परफॉर्मेंस से मेरी पुरानी यादें ताजा हो गई।'' कुमार शानू ने कहा, ''जगजीत सिंह ही वह शख्स हैं जिन्होंने मुझे खोजा और इस इंडस्ट्री में लाए। उन्होंने मुझे स्मिता पाटिल और शत्रुघ्न सिन्हा की एक अनरिलीज्ड फिल्म के लिए गाना गाने का मौका दिया। वह मुझे अपनी कार में ताड़देव रिकॉर्डिंग स्टूडियो में ले गए, कैसेट लिया और कल्याण जी भाई को दिखाया। बाद में कल्याण जी भाई ने मुझे मौका दिया।''

गेम चेंजर साबित होगी शांतला : महेश भट्ट

मुम्बई/वार्ता

बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार महेश भट्ट का कहना है कि अल्ट्रा कॉमर्शियल दौर में फ़िल्म शांतला गेम चेंजर साबित होगी। फ़िल्म शांतला पूरे भारतवर्ष में आगामी 15 दिसम्बर को एकसाथ हिंदी, मराठी, तमिल, तेलुगु,कन्नड़ और मलयालम में रिलीज की जा रही है। फिल्म शांतला की रिलीजिंग के पूर्व संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया,जिसमें फ़िल्म से जुड़े कलाकार और तकनीशियन के अलावा भी कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की। इस मौक़े पर महेश भट्ट ने फ़िल्म शांतला को लेकर कहा कि अल्ट्रा कॉमर्शियल दौर में यह फ़िल्म एक गेम चेंजर साबित होगी ,और निकट भविष्य में इसकी देखादेखी अनेकों फिल्में इसी पैटर्न पर लोग बनाएंगे। एक ओर जहां लोग बेहतरीन कन्टेन्ट को लेकर ओटीटी का रुख कर रहे हैं वहीं इस फ़िल्म को देखने के बाद लोग थियेटर की ओर पुनः लौटने लगेंगे । क्योंकि फ़िल्म का कॉन्सेप्ट बेहद जबरदस्त है और अश्लेषा ठाकुर ने जिस संज़ीदगी से इसको निभाया है उसे लम्बे समय तक याद किया जाएगा। यह फ़िल्म आने वाले समय मे एक मिसाल के तौर पर याद की जाएगी।

फ़िल्म शांतला के निर्देशक सिरस्सू पेडिरेड्डी महेश भट्ट के सहायक रह चुके हैं। उन्होंने कहा,फ़िल्म शांतला वास्तव में बेहद खूबसूरत बनी है। और ऐसी फिल्में बनती रहनी चाहिएहमारी फ़िल्म को महेश भट्ट जैसे महान फिल्ममेकर से सराहना मिलना अद्भुत है और हमने इस फ़िल्म को बनाने के लिए जो मेहनत किया है वो सफल होती हुई प्रतीत होती है। इंडो अमेरिकन आर्टर्स के बैनर तले बनी फिल्म शांतला के निर्माता डॉक्टर इरैंकि सुरेश है, निर्देशक सिरस्सू पेडिरेड्डी, सलाहकार हैं के एस रामाराव , सिनेमेटोग्राफी आर रमेश ने किया है। फ़िल्म शांतला के प्रेजेंटर हैं इरैंकि सुब्बालक्ष्मी , जबकि संवाद लिखे हैं साई माधव बुर्रा ने । फ़िल्म शांतला में कर्णप्रिय संगीत विशाल चंद्रशेखर ने दिया है वहीं गीत भास्कर भाटला,श्रीमेंनी और कृष्णा कांत ने लिखे हैं। फ़िल्म शांतला में अश्लेषा ठाकुर के साथ निहाल, विनोद कुमार, वीणा नायर, मंजू भार्गवी , दीपक , रेखा निरोशा, फाल्गुनी, आनंद चक्रपाणी एवं शिव पार्वती ने काम किया है।

फिल्म 'जीना इसी का नाम है' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार यश कुमार की आने वाली फिल्म जीना इसी का नाम है का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। दीपक के बजाज प्रोडक्शन प्रस्तुत भोजपुरी फिल्म जीना इसी का नाम है का फर्स्ट लुक आज रिलीज हो गया है। फिल्म के फर्स्ट लुक में यश कुमार, श्रुति राव और काजल सिंह के साथ कट्टा लिए नजर आ रहे हैं। इस फिल्म के निर्माता दीपक बजाज हैं और निर्देशक चंदन सिंह हैं, जिन्होंने बताया कि फिल्म का ट्रेलर कल 11 दिसंबर को कैप्टन वीडियो के ऑफिशियल यूट्यूब पर रिलीज किया जाएगा।

यश कुमार ने कहा कि जीना इसी का नाम है, एक फिक्शन स्टोरी पर आधारित है। फिल्म का निर्माण बेहद भव्यता के साथ हुआ है। इस फिल्म में मेरा किरदार अलग और नया है। उम्मीद करता हूं कि दर्शकों को यह बेहद पसंद आने वाला है। फिल्म में गीत संगीत भी दमदार है। फिल्म जीना इसी का नाम है में यश कुमार, श्रुति राव, काजल सिंह, विनोद मिश्रा,अनिता रावत, देव सिंह, सुबोध सेठ, राधे कुमार, समर्थ चतुर्वेदी प्रमुख भूमिका में हैं। इसके संगीतकार साजन मिश्रा और भरत चौहान हैं। गीतकार आशुतोष तिवारी, धरम हिंदुस्तानी और अनुपम पाठक हैं। कहानी वीरू ठाकुर की है।

फिल्म 'टॉक्सिक' में काम करेंगी श्रुति हासन

मुंबई/वार्ता

जानीमानी अभिनेत्री श्रुति हासन दक्षिण भारतीय फिल्म स्टार यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' में काम करती नजर आयेंगी। हाल ही में यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिक का ऐलान हुआ है। इस फिल्म का ऐलान करते हुए मेकर्स ने एक जबरदस्त एनाउंसमेंट टीजर वीडियो जारी किया था। इस फिल्म में श्रुति हासन की एंट्री हो चुकी है।

फिल्म का टाइटल, 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' ने दर्शकों के बीच चर्चा कर दी है।गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित और केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस द्वारा सह-निर्मित, 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' 10 अप्रैल 2025 को रिलीज होगी।

मेघना गुलजार की फिल्म स्पाइडर में काम करेंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा!

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा फिल्मकार मेघना गुलजार की फिल्म स्पाइडर में काम करते नजर आ सकते हैं। मेघना गुलजार सच्ची घटना पर आधारित फिल्म स्पाइडर बनाने जा रही है।इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ जान्हवी कपूर भी नजर आएंगी। मेघना गुलजार पिछले एक साल से इस फिल्म की कहानी की स्क्रिप्टि पर काम कर रही हैं। मेघना गुलजार ने बताया कि यह फिल्म लोगों को हैरान कर देगी। इस फिल्म की शूटिंग 2024 से शुरू की जाएगी। फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा करेंगे।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

भारत की सॉफ्टवेयर राजधानी बेंगलूरु में रविवार को दक्षिण भारत की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था 'शब्द' के 26 वें वार्षिकोत्सव सह पुरस्कार अर्पण समारोह में एक लाख रुपए का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' देश के मूर्धन्य कथाकार हृषीकेश सुलभ को दिया गया तथा इक्कीस हजार रुपए का 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' वयोवृद्ध हिंदी सेवी बी एस शांता बाई को प्रदान किया गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उत्साहवर्धन

बेंगलूरु के शारदा ग्रुप द्वारा एमसी लेआउट स्थित बालगंगाधर नाथ स्वामी खेल मैदान में दो दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट 'टाइगर कप 2023' का आयोजन किया गया जिसमें विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। स्वस्थ रहने के लिए खेलकूद, व्यायाम, स्वस्थ जीवनशैली अति आवश्यक है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्रद्धांजलि

गत दिनों राजस्थान में हुई राजपूत करणी सेना के प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की स्मृति में स्थानीय भारतीय राजपूताना सेवा संगठन व्हाइटफील्ड ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया। संगठन के सभी कार्यकर्ता अधिकारियों ने अपराधियों और इस मामले में त्वरित न्यायिक कार्रवाई की मांग की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिलसिंह सिकरवार, राष्ट्रीय महासचिव प्रेम सिंह, बेंगलूरु अध्यक्ष सुनील सिंह, उपाध्यक्ष परमेश्वर सिंह, व्हाइटफील्ड अध्यक्ष रोहित सिंह, धनंजयसिंह, गोपालसिंह, आशुतोषसिंह ने श्रद्धांजलि दी। सभी लोगों ने इस हत्याकांड पर अपना आक्रोश जताया और राज्यपाल से मिलकर त्वरित कार्यवाही करने की मांग करेंगे।

कथाकार हृषीकेश सुलभ को अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान

सुश्री बीएस शांताबाई को दक्षिण भारत शब्द हिंदीसेवी सम्मान

मुख्य अतिथि कन्नड़ कथाकार एच एस शिवप्रकाश का अभिनंदन

शब्द के कवि आनंद मोहन झा की पुस्तक का विमोचन

सांस्कृतिक कार्यक्रम की झलकियां

'शब्द' साहित्यिक संस्था का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार अर्पण समारोह संपन्न

'भारत की एकता राजनीति से नहीं, साहित्य और संस्कृति से है'

एक लाख रु. का अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान हृषीकेश सुलभ को और 21 हजार रु. का दक्षिण भारत शब्द हिंदीसेवी सम्मान बीएस शांताबाई को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत की सॉफ्टवेयर राजधानी बेंगलूरु में रविवार को दक्षिण भारत की प्रसिद्ध साहित्यिक संस्था 'शब्द' के 26 वें वार्षिकोत्सव सह पुरस्कार अर्पण समारोह में एक लाख रुपए का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' देश के मूर्धन्य कथाकार हृषीकेश सुलभ को दिया गया तथा इक्कीस हजार रुपए का 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' वयोवृद्ध हिंदी सेवी बी एस शांता बाई को प्रदान किया गया। दोनों सम्मानितों को नकद राशि के अलावा अंगवस्त्रम, स्मृति चिह्न, प्रशस्ति फलक एवं श्रीफल भी भेंट किए गए।

'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' ग्रहण करते हुए कथाकार हृषीकेश सुलभ ने कहा कि अज्ञेय हमारी भाषा के सिरमौर हैं। उनके नाम पर सम्मान पाना स्वप्न के सच होने की तरह है। मलिकार्जुन मंसूर, कुमार गंधर्व और प्रसन्ना की भूमि से सम्मानित होना मेरे लिए बड़ा महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि साहित्य के लिए यह संकट का समय है, जबकि आदमी के भीतर की करुणा को जीवित रखना आज के समय की मांग है।

'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' ग्रहण करने के लिए कर्नाटक महिला हिंदी सेवा समिति की प्रधान 96 वर्षीया बी एस शांता बाई को मंच पर जब व्हील चेयर से लाया गया तो पूरा सभागार तालियों से देर तक गूँजता रहा। उम्र के तकाजे के कारण वे सांकेतिक आभार के सिवा कुछ बोल नहीं पायीं लेकिन सभागार में लगातार तालियों की गड़गड़ाहट ने यह साबित कर दिया कि इस पुरस्कार के लिए कितना उपयुक्त पात्र चुना गया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कन्नड़ के प्रख्यात कवि, नाटककार एच एस शिवप्रकाश ने कहा कि भारत की एकता राजनीति से नहीं, साहित्य और संस्कृति से है, किन्तु समाज के यांत्रिकीकरण के कारण आज साहित्य और संस्कृति के आस्वादन का खतरा उत्पन्न हो गया है। हर दिशा से शब्द और साहित्य पर हमले हो रहे हैं। विश्वविद्यालयों में साहित्य और संस्कृति का ऐसा संकुचन हुआ है कि आज के युवा दो-तीन सौ से ज्यादा शब्दों का उपयोग नहीं करते। यह स्थिति रही तो भविष्य के बच्चे हमारी भाषा के शब्द बोलना भी बंद कर देंगे।

प्रारंभ में 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि पूँजी, सत्ता और सत्ता की राजनीति तथा धार्मिक पाखंड विभाजन का काम करते हैं, जबकि कला और साहित्य मनुष्यता की हित-चिंता करते हैं तथा लोगों को आपस में जोड़ते हैं ।

'शब्द' के इन पुरस्कारों का ध्येय साहित्य और साहित्यकार को समाज के विचार-केंद्र में लाने और समादृत करने की एक कोशिश है। दक्षिण की यह कोशिश उत्तर में यदि कोई हलचल ला सकी तो बाजारवाद की आपाधापी के बावजूद स्थिति बदलेगी और साहित्य एवं कला की पहुँच एवं दायरा बढ़ेगा। इस अवसर पर 'शब्द' के गीतकार आनंद मोहन झा के गीत संग्रह 'पथ के गीत' का लोकार्पण भी हुआ।

मालूम हो कि 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' नगर के समाजसेवी और अज्ञेय साहित्य के मर्मज्ञ बाबूलाल गुप्ता के फाउंडेशन के सौजन्य से तथा 'दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान' बेंगलूरु एवं चेन्नई से प्रकाशित अखबार समूह 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के सौजन्य से हर वर्ष प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ उषारानी राव ने किया और धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक श्रीकान्त शर्मा ने किया।

इसके पूर्व समारोह के प्रथम सत्र में कवि गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें स्थानीय एवं अतिथि कवियों ने अपनी कविताएं सुनाईं। कवि गोष्ठी की मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कवयित्री अनुराधा सिंह एवं युवा कवयित्री लवली गोस्वामी की कविताओं का स्वर स्त्रीविमर्शवादी था, जबकि वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर की कविताओं में सामाजिक विडंबना का स्वर मुख्य था। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता वरिष्ठ कवयित्री रचना उनियाल ने की और संचालन किया हंसराज मुणोत ने। समारोह में देश की सांस्कृतिक विविधता एवं एकता की झलक दिखाने वाली नृत्य प्रस्तुतियाँ मनमोहक थीं ।

सिंघवी बने हनुमंतनगर स्थानकवासी संघ के नए अध्यक्ष, धोका बने सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर की साधारण सभा चोरडिया जैन भवन में आयोजित की गई। अध्यक्ष कल्याणसिंह बुरड़ ने सभी संघ सदस्यों का स्वागत किया एवं सचिव भवरलाल गादिया ने त्रिवार्षिक रिपोर्ट पेश की। कोषाध्यक्ष ताराचंद भंडारी ने लेखा जोखा प्रस्तुत किया। नवयुवक मंडल के मंत्री विशाल बोहरा ने रविवारीय गुरुकुल में करीब 150 बच्चों की अध्ययन व कर्नाटक सरकार के साथ संयुक्त रूप से संचालित लैब की रिपोर्ट पेश की। ट्रस्ट के अध्यक्ष सज्ञनराज लुंकड़, ताराचंद लूणावत, दुलीचंद टोडरवाल, पदमराज मेहता, संघ के पूर्व अध्यक्ष हुक्मीचंद कांकरिया,नवयुवक मंडल के अध्यक्ष मनोज सोलंकी सभी ने विचार रखे। तत्पश्चात चुनाव प्रक्रिया चुनाव अधिकारी ताराचंद लुणावत, पारसमल कांकलिया, रोनक गुलेच्छा के मार्गदर्शन में नए कार्यकाल के लिए गौतमचन्द सिंघवी को अध्यक्ष और सुरेश धोका को मंत्री घोषित किया।

इस अवसर पर संघ के संरक्षक नेमीचंद मुथा, कुशलराज छाजेड़, ट्रस्ट के मंत्री उत्तमचंद बोहरा, ट्रस्ट के सहमंत्री एवं संघ के उपाध्यक्ष हुकमीचंद बाफना , सज्ञनराज रुणवाल, राजेंद्र छाजेड़ , सज्ञनराज मेहता, संजय सिंघवी, धनराज मुथा, राजेश बाफना, सुभाष छाजेड, पारस दुग्गड, महावीर मारू, महावीर धारीवाल आदि उपस्थित थे।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौतम सिंघवी ने अपने कार्यकाल में ज्यादा से ज्यादा धार्मिक गतिविधियां संचालित करने का लक्ष्य बताया। नूतन सचिव सुरेश धोका ने नवयुवक मंडल एवम महिला मंडल द्वारा संचालित सभी कार्यों की खूब अनुमोदना की व आगामी कार्यकाल हेतु सभी से सहयोग की अपील की। धन्यवाद ज्ञापन सचिव सुरेश धोका ने दिया। सभा का संचालन सहमंत्री रोशन बाफना ने किया।

'व्यवसाय के साथ स्वास्थ्य भी जरूरी'

जीतो महिलाओं के वी-कनेक्ट में हुआ फेश योग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'पारिवारिक एवं आर्थिक सुरक्षा हेतु व्यवसायिक उनत्ति अत्यंत आवश्यक है परंतु एक स्वस्थ व्यक्ति अपनी व्यवसायिक जिम्मदारियों को भलीभाँति निभाने में ज्यादा सक्षम होता है,' यह बात जीतो नॉर्थ के महिला जेबीएन समूह वी-कनेक्ट द्वारा आयोजित ऑफिस दर्शन कार्यक्रम में फेश योग विशेषज्ञ मीनाक्षी जैन ने कही। उन्होंने चिकलालबाग़ तुलसीतोटा में आयोजित इस फेश योग ध्यान सत्र में योग के अनेक फायदों को बताया। जेबीएन वी-कनेक्ट की अध्यक्ष सुष्मिता सेठिया के सभी का स्वागत किया। उन्होंने जेबीएन से जुड़ने के फायदे बताते इसके व्यवसायिक नेटवर्क बढ़ाने के तरीकों को बताया। उपाध्यक्ष भाविका कोठारी ने योग विशेषज्ञ मीनाक्षी जैन का परिचय दिया गया।

जीतो नॉर्थ की महिला विंग अध्यक्ष बिंदू रायसोनी ने अपने संबोधन में वी-कनेक्ट सदस्याओं को नेटवर्किंग शुरू करने और अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि जेबीएन को आप जितना अधिक समय व अवसर देंगे, उतना अधिक आप पाओगे। जीतो नॉर्थ उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार फेश योग सत्र में 35 से अधिक महिला सदस्याओं को स्वास्थ्य को लेकर सकारात्मक जानकारी मिली। जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया एवं जेबीएन संयोजक प्रमोद बाफना ने वी-कनेक्ट अध्याय के निरंतर प्रगति की कामना की।

केएमवाईएफ की नई योजना हेतु केंगेरी भूखंड पर भूमिपूजन किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मानव सेवा कार्य में अग्रणी संस्था कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन(केएमवाईएफ) द्वारा संचालित निःशुल्क केएमवाईएफ डीआर रांका डायलिसिस सेंटर, कृत्रिम पैर केन्द्र, शिक्षा योजना एवं मोबाइल दन्त योजनाओं से पिछले 42 वर्षों से जरूरतमंद लाभान्वित हो रहे हैं। केएमवाईएफ द्वारा की जा रही मानव सेवा पर विश्वास करते हुए सरकार ने केएमवाईएफ को सीए भूखण्ड का आवंटन किया। इसी आवंटित भूमि पर भूमिपूजा कार्यक्रम का आयोजन केएमवाईएफ के अध्यक्ष रमेश सांखला, मंत्री रणजीत मेहता एवं नई योजना केएमवाईएफ हेल्थ केयर सेंटर के चेयरमैन विजय भंडारी सहित संस्था के सदस्यों ने किया। फेडरेशन के उपाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार करीब 27 हजार वर्ग फीट के इस भूखण्ड पर फेडरेशन की योजना के अंतर्गत केएमवाईएफ हेल्थ केयर सेंटर, चिकित्सीय समस्याओं के लिए रिहेबिलिटेशन केन्द्र का निर्माण होगा।

यह केन्द्र जरूरतमंदों की सेवा में अग्रसर रहेगा। इस अवसर पर सदस्यों के अतिरिक्त कर्मचारी, आर्किटेक्ट सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राणी सती दादी के जन्मोत्सव पर झूमे श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के होसूर रोड के ग्रीनऐज अपार्टमेन्ट में झुंझुनूं वाली राणी सती दादी के जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मनीष महनसरिया, बिमल सरावगी परिवार सहित पूजन कर अखण्ड ज्योत प्रज्वलित की। तत्पश्चात मुंबई के ऋषि शर्मा द्वारा नृत्य नाटिका पर आधारित दादी के संगीतमय मंगलपाठ का वाचन किया। जन्मोत्सव पर और विवाह प्रसंग पर महिला कोर ग्रुप व बच्चों की टीम ने सुन्दर झाँकी प्रस्तुत की। दादी के दर्शनार्थ पहुंचें दादी धाम प्रचार समिति के अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल व अन्य सदस्यों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर सुभाष बगेरिया, देवेंद्र जायसवाल, शैलेंद्र जैन, प्रकाश झुनझुनवाला, विकास लोहिया, संजय अग्रवाल सहित अनेक दादी भक्त उपस्थित थे।

दादा गुरुदेव की पूजा करने वाले बच्चों को किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । शहर के मामुलपेट स्थित गुरु राजेन्द्र मंदिर में सिमंधर स्वामी राजेन्द्रसूरी जैन आरती मंडल के सदस्यों ने विशेष आरती का आयोजन किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में बच्चों ने पूजा में भाग लिया। गायिका पूजा लुणिया, दिनेश बाफना आदि ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर पूजा करने वाले 80 बच्चों को उपहार दिए गए। राज राजेन्द्र भाग्य भक्ति लक्की ड्रा विजेताओं को पुरस्कृत किए गए। पूजा के लाभार्थी दिनेशकुमार हस्तीमल सदाणी, मंडल के अध्यक्ष चम्पालाल गादिया, रवि मकराणी आदि अन्य सदस्य उपस्थित थे।

'अहंकार आत्मा का सबसे खतरनाक शत्रु है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिरीयूर। बेंगलूरु से हिरीयूर में अपने ठहराव पर साध्वी भव्यगुणाश्री ने कहा कि अहंकार आत्मा का सबसे खतरनाक शत्रु है, अमृत जैसा धर्म जहर में परिवर्तित हो जाता है।

स्वाति नक्षत्र की बूंद अग्नि में गिरती है जल जाती है, सांप के मुंह में जहर बन जाती है, समुद्र में खारा पानी बन जाती है और सीप के मुंह में गिरने पर मोती बन जाती है। स्वाति नक्षत्र जैसी बूंद रूपी ज्ञान साधना, विनय, निर्मल, सरल, पवित्र, आत्मा में ही धर्म फलता फूलता है। आराध्या के प्रति श्रद्धा विश्वास और समर्पण की सफलता की मंजिल पर पहुंचाता है। साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि इंसान का वजन हर बार तौलने से नहीं,कई बार बोलने से भी पता चलता है। पारस भंसाली ने बताया कि साध्वीवृंद हिरियूर से चित्रदुर्गा की ओर विहार करेंगे। सीरा जैन संघ से श्रीपाल कुमार आदि ने सेवा का लाभ लिया।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com